राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 05 अक्टूबर 2024 वर्ष–7,अंक–253 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका और ब्रिटेन ने तैनात की फौज, भारत ने खाड़ी में लगा दिए जहाज

नई दिल्ली।

इजरायल-ईरान तनाव के बीच मिडिल-ईस्ट की स्थिति तेजी से बदल रही है। दुनिया के तमाम देश इस पर नजर रख रहे हैं। अमेरिका ने 43 हजार सैनिक तैनात करने का फैसला किया है तो ब्रिटेन भी अपनी सेना बढ़ाने की बात कह रहा है। कुल मिलाकर ये दोनो ही देश आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। इधर भारत ने शुरु से ही शांति का संदेश देने की कोशिश की है। भारत की नजदीकी इजरायल और ईरान दोनों से बराबर की रही है। हालांकि इसके बावजूद तनाव के समय में मिडिल-ईस्ट में भारतीय सेना की एकाएक तैनाती बिना कहे भी बहुत कुछ कह रही है। भारतीय नेवी के तीन जहाज इस वक्त ईरान के पोर्ट पर खड़े हैं। फारस की खाड़ी में ट्रेनिंग मिशन के तहत मंगलवार को भारतीय नौसैनिक जहाज- आईएनएस शार्दुल, आईएनएस तीर और आईसीजीएस वीरा ईरान के बंदर अब्बास पहुंचे। भारत के इन नेवी शिप का स्वागत ईरानी नौसेना के जहाज़ ज़ेरेह ने किया। यह कदम भारत और ईरान के बीच बढ़ते नौसैनिक सहयोग के लिए हो रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने यह आदेश दिया है कि जल्द ही मिडिल ईस्ट में अमेरिका के कुल सैनिकों की संख्या 43,000 तक पहुंच जाएगी। मौजूदा वक्त में वहां अलग-अलग देशों में कुल 40 हजार अमेरिकी सैनिक हैं। अमेरिका इस जंग में इजरायल के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। ईरान से तनाव के बीच आने वाले वक्त में लड़ाई छिड़ने का खतरा बना हुआ है। यही वजह है कि अमेरिका ने अतिरिक्त तीन हजार सैनिक मिडिल-ईस्ट में भेजने का ऐलान किया है। एक आम समय में हर वक्त मिडिल-ईस्ट में अमेरिका के करीब 34 हजार सैनिकों की तैनाती रहती है। पिछले साल गाजा में इजरायल के एक्शन के बाद कुछ समय के लिए इसे बढ़ाकर करीब 50 हजार तक भी पहुंचा दिया गया था।

हालांकि बाद में इसे कम कर दिया गया।अब अमेरिका के साथ-साथ नाटो में उसके सबसे खास पार्टनर ब्रिटेन ने भी मिडिल-ईस्ट में अपनी सैना बढ़ाने का

ऐलान कर दिया है। साथ ही पिछले कुछ दिनों में ब्रिटेन में 700 अतिरिक्त सैनिक वेस्ट-एशिया में भेज दिए हैं।

मिडिल-ईस्ट के देश साइप्रस में ब्रिटेन के सैनिक स्टेशन किए गए हैं। यह देश ब्लैक सी में स्थित हैं। इजरायल के साथ ब्रिटेन भी इस युद्ध में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है।

पहला कॉलम

7 को भारत आ सकते हैं मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू, पीएम से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के 7 अक्टूबर को भारत आने की उम्मीद है। भारत और मालदीव सितंबर की शुरुआत से ही मुइज्जू की अपेक्षित यात्रा की तैयारी कर रहे हैं। यह मुइज्जू की पीएम मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के बाद दूसरी बार भारत यात्रा होगी। मीडिया रिपोर्ट में राष्ट्रपति कार्यालय की मुख्य प्रवक्ता ने मुइज्जू के भारत यात्रा की जानकारी देते हुए बताया कि पीएम मोदी पर अपमानजनक टिप्पणी करने वाले दो मंत्रियों से इस्तीफा ले लिया गया है। इस साल के शुरुआत में मालदीव के युवा मंत्रालय के उप मंत्रियों को सोशल मीडिया पर पीएम मोदी के खिलाफ अपमानजनक पोस्ट करने के कारण निलंबित कर दिया गया था। नई दिल्ली ने इस मामले को जोरदार तरीके से उठाया था। मोदी की लक्षद्वीप की यात्रा के बाद, मालदीव के उप मंत्रियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पीएम मोदी की आलोचना की थी। भारत और मालदीव के बीच संबंध पिछले साल नवंबर में तनावपूर्ण हो गए थे, जब मुइज्जू का चीन के प्रति झुकाव हो गया था जब मालदीव के राष्ट्रपति का पदभार संभाला था। मुइज्जू ने भारत से अनुरोध किया था कि वह देश द्वारा उपहार में दिए गए तीन विमानन प्लेटफॉर्म का संचालन कर रहे करीब 90 भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुला ले। भारत ने अपने सैन्य कर्मियों को वापस बुला लिया और उनकी जगह

ट्रक ने ट्रैक्टर ट्राली में मारी टक्कर, दस की मौत, तीन गंभीर

मिर्जापुर। यूपी के मिर्जापुर जिले के कछवा थाना क्षेत्र में एक भीषण सड़क दुर्घटना में दस की मौत हो गई, तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि टक्कर लगने ट्राली में बैठे कुछ लोग सड़क पर गिर गए और ट्रक ने उन्हें रौंद दिया, जबकि कुछ लोग गड्ढे में गिर गए थे। घटना के बाद, गुस्साई भीड़ ने सड़क जाम कर दिया। मौके पर पुलिस अधीक्षक अभिनंदन सहित भारी संख्या में पुलिस बल पहुंचे और नागरिकों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस के मुताबिक यह हादसा रात करीब एक बजे प्रयागराज-वाराणसी राजमार्ग पर कटका गांव के पास उस समय हुआ जब श्रमिकों से भरी एक ट्रैक्टर ट्राली को तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दस की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर है। एसपी ने जानकारी देते हुए बताया कि मजदूर भदोही जिले के तिउरी गांव से अपने घर वाराणसी लौट रहे थे। तभी कछवा थाना क्षेत्र में प्रयागराज-वाराणसी हाईवे पर उनकी ट्रैक्टर ट्राली को अनियंत्रित ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। घटना में मरने वालों में मिर्जामुराद के सिंहपुर गांव के भानू (25), विकास (30), बीरबलपुर के अनिल (35), सूरज कुमार (22), सनोहर (25), राकेश कुमार (25), नितिन (22), रोशन कुमार (25), प्रेम कुमार (40) और राहुल कुमार (26) की मौत हो गई हैं। वहीं घायलों में आकाश (18), जमुनी (26) और अजय का अस्पताल में इलाज चल रहा है। डॉक्टरों ने तीनों की स्थिति गंभीर बताई है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावः एमवीए गठबंधन में शामिल होना चाहते हैं ओवैसी

-एआईएमआईएम ने भेजा प्रस्ताव, महा विकास अघाड़ी ने नहीं लिया फैसला

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम पार्टी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के गठबंधन में शामिल होने कोशिश कर रही है। अगर एआईएमआईएम एमवीए में शामिल हो जाती है, तो यह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के लिए बड़ा झटका होगा, क्योंकि उद्धव गुट एआईएमआईएम के शामिल होने का विरोध कर रहा है। शिवसेना ने कहा है कि एमवीए में पहले से ही कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी, शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी, शेतकारी कामगार पक्ष और रिपब्लिकन संगठन जैसे कई दल शामिल हैं। ऐसे में नई पार्टी के लिए वर्तमान परिस्थितियों में कोई जगह नहीं है। एआईएमआईएम ने कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) को गठबंधन बनाने का लिखित प्रस्ताव भेजा है, लेकिन अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया है। सूत्रों का कहना है कि प्रस्ताव को न तो स्वीकार और न ही अस्वीकार किया गया है। यदि एआईएमआईएम को शामिल करने पर एमवीए में सहमति नहीं बनती, तो पार्टी को बड़ा झटका लग सकता है। संभावित गठबंधन को लेकर बातचीत के बीच, एआईएमआईएम ने एमवीए को 28 सीटों की सूची सौंपी है, जहां से वह चुनाव लड़ना चाहती है। ये सभी 28 सीटें मुस्लिम बहुल क्षेत्रों की हैं, या जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। एआईएमआईएम ने कहा है कि यदि गठबंधन बनता है, तो वह सहयोगियों के लिए कुछ सीटें छोड़ने को भी तैयार है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया वैश्विक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन

-आध्यात्मिकता के जरिए से स्वच्छ और स्वस्थ समाज पर की चर्चा

जयपुर।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को राजस्थान के सिरोही जिले में ब्रह्माकुमारीज संस्थान के चार दिवसीय वैश्विक शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। यह सम्मेलन 4 से 7 अक्टूबर तक आयोजित किया जा रहा है। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर आध्यात्मिकता के जरिए से स्वच्छ और स्वस्थ समाज की दिशा में चर्चा की।

इस कार्यक्रम में राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े और सीएम भजनलाल शर्मा भी मौजूद थे। सम्मेलन में शिक्षा, विज्ञान, खेल, कला एवं संस्कृति, मीडिया, राजनीति और समाज सेवा से जुड़े 15 से ज्यादा देशों की प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हो रही हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार शाम को ही कार्यक्रम स्थल पर पहुंच गई थीं, और वहां सुरक्षा व्यवस्था के तहत चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात है। जिला प्रशासन ने व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए शांतिवन में जिला नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है।

कार्यक्रम में प्रवेश करने वाले हर व्यक्ति की स्कैनिंग की गई। कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार का सामान ले जाने की इजाजत नहीं है। द्रौपदी मुर्मू को ब्रह्माकुमारीज का करीबी माना जाता है। ब्रह्माकुमारीज एक आध्यात्मिक आंदोलन है जिसकी स्थापना 1930 के दशक में

हैदराबाद, सिंध में हुई थी। यह आंदोलन मानव शरीर और सामाजिक पहचानों से परे जाने के महत्व पर जोर देता है, जिसे ध्यान के जरिए प्राप्त किया जा सकता है। ब्रह्माकुमारीज का उद्देश्य आत्म-चेतना पर केंद्रित वैश्विक संस्कृति स्थापित करना है, जिसमें शरीर के बजाय आत्माओं के रूप में पहचान की धारणा को महत्व दिया जाता है।

इस शिखर सम्मेलन में आध्यात्मिकता, जागरूकता, और मानवता की सेवा के कई पहलुओं पर विचार-विमर्श किया जाएगा, जो कि एक स्वस्थ और समर्पित समाज की स्थापना के लिए जरुरी है।

बाढ़-बारिश से जूझ रहा नेपाल.....पीएम मोदी ने मदद की पेशकश की

नई दिल्ली । भारत का पड़ोसी देश नेपाल इन दिनों भारी बारिश और बाढ़ से परेशान है। अब तक नेपाल में 200 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और 29 लोग लापता है। इस संकट में भारत ने नेपाल को मदद की पेशकश की है। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल को राहत और पुनर्निर्माण प्रयासों में सहायता देने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। श्रीवास्तव ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश देकर आश्वासन दिया कि भारत इस कठिन समय में नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता में खड़ा है। राजदूत श्रीवास्तव ने कहा जैसा कि प्रधानमंत्री मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी (शर्मा) ओली को लिखे पत्र में लिखा है, भारत इस कठिन समय में नेपाल के लोगों के साथ एकजुटता में खड़ा है, हम नेपाल सरकार द्वारा राहत और पुनर्निर्माण प्रयासों के लिए आवश्यक हर संभव सहायता देने के लिए भी तैयार हैं। बता दें कि सितंबर के आखिरी सप्ताह में हो रही भारी बारिश के बाद, राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण ने बागमती और कोशी के विभिन्न स्थानों पर संभावित भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, जिसमें लोगों से यात्रा करते समय सावधानी बरतने का आग्रह किया गया है। दुनिया की दस सबसे ऊंची चोटियों में से नौ का घर नेपाल ने पहले ही इस साल औसत से ज्यादा बारिश की आशंका जाहिर की थी, जिससे 1.8 मिलियन लोगों के प्रभावित होने की आशंका थी। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण ने अनुमान लगाया है कि मानसून से संबंधित आपदाओं से 412,000 परिवार प्रभावित हुए। नेपाल में मानसून का मौसम आमतौर पर 13 जून को शुरू होता है, जबकि इसकी समाप्ति तिथि पारंपरिक रूप से 23 सितंबर होती है। हालांकि, इस साल मानसून अक्टूबर के आखिर तक बढ़ा दिया गया है।

रतलाम में बेपटरी मालगाड़ी से लोगों ने डीजल लूटा, वीडियो वायरल

रतलाम।

मध्य प्रदेश के रतलाम में 3 अक्टूबर की रात को एक बड़ी घटना घटित हुई, जब नागदा की ओर जा रही एक मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। इस दुर्घटना के बाद डीजल भरे हुए डिब्बे पलट गए, जिससे डीजल बहने लगा। जैसे ही स्थानीय लोगों को इस घटना की सूचना मिली, बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर पहुंचे और डीजल भरने के लिए केन और बाल्टियों का इस्तेमाल करते हुए डीजल लूटने लगे। इस दृश्य का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

यह घटना रतलाम-रतलाम ई केबिन के बीच केएम 655/10-12 पर हुई, जिसके कारण दिल्ली-मुंबई डाउन लाइन प्रभावित हुई, जबकि अप लाइन पर ट्रेनों का परिचालन जारी रहा। रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और डिरेल हुए डिब्बों को रिरेल करने का कार्य शुरू किया। सौभाग्यवश, इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। डाउन लाइन को 4 अक्टूबर, 2024 को

सुबह 10 बजे तक मरम्मत कर पूरी तरह से चालू कर दिया गया है, और ट्रेनों का परिचालन कॉशन आर्डर के साथ किया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों की प्रतिक्रिया मिश्रित रही है। कुछ लोगों ने इसे आपातकालीन स्थिति में जीविका का साधन मानते हुए डीजल इकट्ठा करने का कार्य किया, जबकि रेलवे प्रशासन ने इसे एक गंभीर मुद्दा बताया है और आवश्यक कार्रवाई करने की बात भी कह रहा है। इस घटना ने एक बार फिर से रेलवे पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं।

युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है कांग्रेस : शाह

नई दिल्ली ।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव में वोटिंग से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 5,600 करोड़ के ड्रग्स के कांग्रेस कनेक्शन पर बड़ा आरोप लगाकर कहा है कि एक ओर जहां केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और इनोवेशन की ओर ले जा रही है, वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस उन्हें ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधकर दावा किया कि उनकी सरकार, ड्रग्स के कारोबारियों का राजनीतिक पद या कद को देखे बिना, ड्रग्स के पूरे तंत्र का विनाश कर नशा मुक्त भारत बनाने के लिए काम करेगी।

केंद्रीय मंत्री शाह ने पोस्ट कर कहा, एक ओर जहां मोदी सरकार

नशा मुक्त भारत के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति लेकर चल रही है, वहीं उत्तर भारत से पकड़ी गई ड्रग्स की 5,600 रुपए करोड़ की खेप में कांग्रेस के एक प्रमुख व्यक्ति की संलिप्तता बेहद खतरनाक और शर्मनाक है।

शाह ने ड्रग्स के कारण पैदा हुए हालात और कांग्रेस की मंशा पर सवाल उठाकर कहा कि, कांग्रेस के शासन में ड्रग्स से पंजाब, हरियाणा और समग्र उत्तर भारत में युवाओं का जो हाल हुआ, वह सभी ने देखा है। मोदी सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और इनोवेशन की ओर ले जा रही है, वहीं कांग्रेस उन्हें ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है। कांग्रेस नेता द्वारा अपने राजनीतिक रसूख से युवाओं को ड्रग्स के दलदल में झोंकने का जो पाप किया जाना था, उन इरादों को मोदी सरकार कभी पूरा नहीं होने देगी।

भारत 2047 में विचारों, प्रौद्योगिकी और संस्कृति का केंद्र बनेगा

-वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा- पूरी दुनिया में आएगी समृद्धि

नई दिल्ली।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि स्वतंत्रता के 100 साल पूरे करने पर 2047 तक भारत में विकसित देशों के समान सभी मुख्य विशेषताएं मौजूद होंगी। उन्होंने यह बात कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन का शुभारंभ करते हुए कही। सीतारमण ने कहा कि यदि हम उपमहाद्वीप के सभ्यतागत इतिहास को देखें तो भारतीय युग कोई नई घटना नहीं है। एक हजार साल से भारत ने दर्शन, राजनीति, विज्ञान और कला का एक सांस्कृतिक क्षेत्र बनाया है। यह विजय के जरिए से नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक भव्यता के जरिए से सीमाओं के पार फैला। उन्होंने कहा कि भारत 2047 में विचारों, प्रौद्योगिकी और संस्कृति के जीवंत आदान-प्रदान का केंद्र बनेगा, जिससे न केवल भारतीयों बल्कि पूरी दुनिया में समृद्धि आएगी।

उन्होंने भारत के हाल के आर्थिक प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला, जिसमें भारत का 10वीं से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना और उच्च विकास दर बनाए रखना शामिल है। सीतारमण ने कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को अर्थशास्त्र और वित्त के नीति विशेषज्ञों के लिए एक अहम मंच बताया और कहा कि नीति निर्माण में मार्गदर्शन के लिए विशेषज्ञों की सोच की जरुरत है।

वित्तमंत्री सीतारमण ने भारत की युवा आबादी को भी बहुत अहम बताया, जिसका उत्पादन, बचत और निवेश में बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि भारत को यह तय करना चाहिए कि युवा सुसज्जित, भावनात्मक रूप से मजबूत और शारीरिक रूप से स्वस्थ हों, जो कि एक मुख्य नीतिगत प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय वित्तीय प्रणाली की मजबूती के बारे में भी जानकारी दी, जिसमें कहा गया कि यह प्रणाली संकट प्रबंधन, विनियामक और शासन मानकों के मामले में विकसित वित्तीय बाजारों के बराबर है।

उन्होंने यह भी बताया कि भारत का बैंकिंग क्षेत्र परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार, बेहतर प्रावधान और बढ़ती लाभप्रदता पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि 2024 के बजट में अनुसंधान और विकास परियोजनाओं के लिए 1200 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं और शिक्षा जगत, निजी क्षेत्र और सरकारी निकायों के बीच सहयोग से नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान कोष की स्थापना की गई है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ

स्वामी विवेकानंद के इस विचार को डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने व्यवहार में बदल दिया। उनका मानना था कि हिंदुओं को एक ऐसे कार्य दर्शन की आवश्यकता है जो इतिहास और संस्कृति पर आधारित हो, जो उनके अतीत का हिस्सा हो और जिसके बारे में उन्हें कुछ जानकारी हो। संघ की शाखाएं 'स्व' के भाव को परिशुद्ध कर उसे एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय हित की भावना में मिला देती हैं। वस्तुतः यह कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने व हिंदू समाज, हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉक्टर साहब ने संघ की स्थापना की। आज संघ का केवल एक ही ध्येय है कि भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करना।

(लेखक-प्रहलाद सबनानी)

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों एवं भारतीय समाज के लिए संघ के अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करना एक गर्व का विषय हो सकता है। संघ के स्वयंसेवक समाज में अपना सेवा कार्य पूरी प्रामाणिकता से बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से करते रहते हैं। वरना, भारत सहित पूरे विश्व में आज ऐसा माहौल बन गया है कि कुछ संगठन जो समाज में सेवा कार्य करते तो बहुत थोड़ा है परंतु उस कार्य का बहुत अधिक प्रचार प्रसार करते हैं। इसके ठीक विपरीत संघ के स्वयंसेवक चुपचाप समाज में अपने ईश्वरीय कार्य को सम्पादित करते रहते हैं, कई बार तो संघ के पदाधिकारियों को भी इस बात का आभास नहीं हो पाता है कि हमारे संघ के स्वयंसेवकों ने समाज में कोई विशेष सेवा कार्य सम्पन्न किया है। दरअसल, संघ के स्वयंसेवकों को यह संस्कार संघ की शाखा में प्रदान किए जाते हैं। और, इसी प्रकार की कई अन्य विशेषताओं के चलते, आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पूरे विश्व में सबसे बड़ा सांस्कृतिक एवं सामाजिक संगठन कहा जाने लगा है।

भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में शायद ही कोई ऐसा संगठन रहा होगा जो अपनी स्थापना के समय से ही निर्धारित किए गए अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की ओर लगातार सफलतापूर्वक आगे बढ़ता जा रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना उस समय हुई थी, जब अंग्रेजों की दासता में भारतीय संस्कृति का सर्वनाश हो रहा था। इससे व्यथित होकर डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना विजयादशमी के पावन अवसर पर वर्ष 1925 में की थी। मार्च 2024 में संघ की नागपुर में आयोजित प्रतिनिधि सभा में उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की 922 जिलों, 6597 खंडों एवं 27,720 मंडलों में 73,117 दैनिक शाखाएं हैं, प्रत्येक मंडल में 12 से 15 गांव शामिल हैं। समाज के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में संघ की प्रेरणा से 40 से अधिक विभिन्न संगठन अपना कार्य कर रहे हैं जो राष्ट्र निर्माण तथा हिंदू समाज को संगठित करने में अपना योगदान दे रहे हैं। देश में राजनैतिक कारणों के चलते संघ पर तीन बार प्रतिबंध भी लगाया गया है - वर्ष 1948, वर्ष 1975 एवं वर्ष 1992 में - परंतु तीनों ही बार संघ पहिले से भी अधिक सशक्त होकर भारतीय समाज के बीच उभरा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 卐हिंदू卐 शब्द की व्याख्या सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के संदर्भ में करता है जो किसी भी तरह से (पश्चिमी) धार्मिक अवधारणा के समान नहीं है। इसकी विचारधारा और मिशन का जीवंत सम्बंध स्वामी विवेकानंद, महर्षि अरविंद, बाल गंगाधर तिलक और बी सी पाल जैसे हिंदू विचारकों के दर्शन से हैं। विवेकानंद ने यह महसूस किया था कि 'एक सही अर्थों में हिंदू संगठन अत्यंत आवश्यक है जो हिंदुओं को परस्पर सहयोग और सराहना का भाव सिखाए'। स्वामी विवेकानंद के इस विचार को डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार ने व्यवहार में बदल दिया। उनका मानना था कि हिंदुओं को एक ऐसे कार्य दर्शन की आवश्यकता है जो इतिहास और संस्कृति पर आधारित हो, जो उनके अतीत का हिस्सा हो और जिसके बारे में उन्हें कुछ जानकारी हो। संघ की शाखाएं 卐स्व卐 के भाव को परिशुद्ध कर उसे एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय हित की भावना में मिला देती हैं। वस्तुतः यह कह सकते हैं कि हिंदू राष्ट्र को स्वतंत्र करने व हिंदू समाज, हिंदू धर्म और हिंदू संस्कृति की रक्षा कर राष्ट्र को परम वैभव तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉक्टर साहब ने संघ की स्थापना की। आज संघ का केवल एक ही ध्येय है कि भारत को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करना।

संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार जी की दृष्टि हिंदू संस्कृति के बारे में बहुत स्पष्ट थी एवं वे इसे भारत में पुनः प्रतिष्ठित कराना चाहते थे। डॉक्टर साहब के अनुसार, 'हिंदू संस्कृति हिंदुस्तान का प्राण है। अतएव हिंदुस्तान का संरक्षण करना हो तो हिंदू संस्कृति का संरक्षण करना हमारा पहला कर्त्तव्य हो जाता है। हिंदुस्तान की हिंदू संस्कृति ही नष्ट होने वाली हो तो, हिंदू समाज का नामोनिशान हिंदुस्तान से मिटने वाला हो, तो फिर शेष जमीन के टुकड़े को हिंदुस्तान या हिंदू राष्ट्र कैसे कहा जा सकता है? क्योंकि राष्ट्र जमीन के टुकड़े का नाम तो नहीं है ज्ज यह बात एकदम सत्य है। फिर भी हिंदू धर्म तथा हिंदू संस्कृति की सुरक्षा एवं प्रतिदिन विधर्मियों द्वारा हिंदू समाज पर हो रहे विनाशकरी हमलों को कांग्रेस द्वारा दुरलक्षित किया जा रहा है, इसलिए इस अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आवश्यकता है।卐

जिस खंडकाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई थी वह मुस्लिम तुष्टिकरण का काल था। वर्ष 1920 में देश में खिलाफत आंदोलन शुरू हुआ। मुसलमानों का नेतृत्व मुल्ला-मौलवियों के हाथों में था। इस खंडकाल में मुसलमानों ने देश में अनेक दंगे किए। केरल में मोपला मुसलमानों ने विद्रोह किया। उसमें हजारों हिंदू मारे गए। मुस्लिम आक्रांताओं के आक्रमण के कारण हिंदुओं में अत्यंत असुरक्षिता की भावना फैली थी। हिंदू संगठित हुए बिना मुस्लिम आक्राताओं के सामने टिक नहीं सकेंगे, यह विचार अनेक लोगों ने प्रस्तुत किया और इस प्रकार हिंदू हितों के रक्षार्थ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना हुई। संघ के प्रयासों से भारत में विस्मृत राष्ट्रभाव का पुनर्जागरण प्रारम्भ हुआ।

स्वामी विवेकानंद ने वेदांत के आधार पर सार्वभौम हिंदुत्व का प्रचार किया। आधुनिक भारत के अंतरराष्ट्रीय शंकराचार्य के रूप में उन्हें प्रतिष्ठित किया जा सकता है। उनके प्रयासों से हिंदू धर्म का न केवल उद्धार हुआ, अपती हिंदू समाज को उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिष्ठित भी किया। ईश्वरचन्द्र विद्यासागर, राजनारायण बोस, रवीन्द्रनाथ ठाकुर, योगी अरविंद, डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार जैसे हिंदू हितचिंतकों ने विश्व के समक्ष यह संदेश दिया कि हिंदुस्तान में राष्ट्रीय एकता का आधार हिंदू धर्म है और स्वयं हिंदू एक धर्म प्रधान एवं प्रकृति के सार्वभौमिक सिद्धांतों पर आधार जीवन पद्धति है। पश्चिमी देशों में जीवन के लक्ष्य का सदैव अभाव रहा है। भौतिक सुख-समृद्धि ही जीवन का मानक बन गया था। इसलिए पश्चिमी देश असंवेदनशील हो गए थे। साम्राज्यवाद एवं उपनिवेशवाद जैसी वैचारिकी इस भौतिकवादी पृष्ठभूमि की उपज रही है। भौतिकता की अंधी दौड़ ने अंततः नाजीवादी, फासीवाद एवं साम्यवाद जैसे विचारों को जन्म देकर पश्चिमी देशों को महायुद्धों की विनाशलीला में झोंक दिया था। स्वामी विवेकानंद जैसे हिंदू चिंतकों द्वारा पश्चिमी देशों में हिंदुत्व के आदर्शों को प्रस्थापित कर उन्हें अंधकार से अलग करने का प्रयास किया गया था। हिंदू आदर्शों का यदि अनुपालन किया जाता तो सम्भवतः मानवीय विनाश के उन दृश्यों को रोका जा सकता था जो विश्व मानव की छाती पर एक भीषण घटित दुर्घटना के चोट के चिन्ह रूप में विद्यमान है। स्वामी विवेकानंद ने जीवन जीने के लक्ष्य एवं मानव संस्कृति के मूल रहस्यों को पश्चिमी समाज के समक्ष उद्घाटित किया था। स्वामी विवेकानंद के प्रयासों से पश्चिमी समाज में हिंदुत्व के प्रति एक नया दृष्टिकोण विकसित हुआ था और लोग हिंदू संस्कृति के मूल रहस्यों को जानने के लिए आकर्षित हुए। स्वामी विवेकानंद को हिंदू राष्ट्रीयता का विश्व में प्रथम उद्घोषक कहा जा सकता है। उन्होंने विश्व के समक्ष भारत की मूल्यवान आध्यात्मिक धरोहर को प्रतिष्ठित किया तथा हिंदू धर्म के मूल रहस्यों से विश्व को अवगत कराया। स्वामी रामतीर्थ, महर्षि दयानंद, डॉक्टर केशव बलिराम हेडगेवार, महात्मा गांधी, डॉक्टर अम्बेडकर, एम एस गोलवलकर, दीनदयाल उपाध्याय, दत्तोपंत ठेंगढ़ी जैसे चिंतकों ने हिंदुओं को चिंतन की एक नयी शैली एवं विधा से सुसज्जित कर हिंदुत्व के पुनरुत्थान का सार्थक प्रयास किया। उक्त हिन्दू चिंतकों ने विश्व समुदाय में हिन्दुत्व के प्रति फैले भ्रम को न केवल दूर करने का प्रयास किया, अपितु हिन्दुस्तान में सनातन संस्कृति के प्रति जो वैषम्यतापूर्ण विचारधाराएं बलवती हो रही थीं उन्हें भी प्रतिबन्धित करने का प्रयास किया। इन विचारकों ने सामाजिक समरसता स्थापित करने के लिए उन समस्त कुरीतियों को दूर करने का आह्वान भी किया।

मुगलकाल एवं ब्रिटिश शासन के अंतर्गत हिन्दू लोक जीवन विखंडित हो गया था।

हिन्दू धर्म के मूल रहस्यों से अनभिज्ञ आक्रांताओं ने न केवल वैयक्तिक अधिकारों का हनन किया अपितु हिन्दू धर्म के मूल ग्रंथों को भी नष्ट कर दिया। 1000 वर्षों तक सनातन संस्कृति विधर्मियों के प्रहार को झेलती हुई लगभग मृतप्राय बना दी गई थी। अब आवश्यकता है कि मूल्य परक हिन्दू जीवन पद्धति जिससे न केवल मानव अपितु प्रकृति एवं जीव-जन्तु जगत का भी उत्थान सम्भव है, उसे पुनः प्रतिष्ठित किया जाए।

संपादकीय

जेल में भी जातिवाद

जेलों में जाति आधारित भेदभाव को समाप्त करने संबंधी सर्वोच्च न्यायालय के फैसले की जितनी प्रशंसा की जाए कम होगी। इतनी ही प्रशंसा उस रिपोर्ट या याचिका की भी होनी चाहिए, जिसने सदियों से चली आ रही इस बेशर्म कुप्रथा पर प्रहार का जरूरी साहस दिखाया। हकीकत से वाकिफ न्यायालय का यह एक ऐतिहासिक फैसला है। प्रधान न्यायाधीश धनंजय वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने गुरुवार को जेल संहिता में संबंधित प्रावधानों को असांविधानिक घोषित करते हुए जेलों में जाति-आधारित भेदभाव की इस प्रथा को समाप्त कर दिया है। अदालत ने केंद्र सरकार और राज्य सरकारों को दोटूक निर्देश जारी करते हुए कहा है कि जेलों में बंदियों को जाति के आधार पर काम या आवास की सुविधा न दी जाए। अदालत ने माना कि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जाति के आधार पर किया जाने वाला भेदभाव औपनिवेशिक शासन का अवशेष है। संविधान के तहत सभी कैदियों से समान व्यवहार सुनिश्चित किया जाना चाहिए। जाति, लिंग व विकलांगता के आधार पर जेलों के अंदर होने वाला भेदभाव पूरी तरह अवैध है। यह बहुत आश्चर्य की बात है कि एकाध कानूनों और जेल नियमों में भेदभाव के प्रावधान अब तक दर्ज हैं। सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को इस फैसले के तीन महीने के अंदर अपने जेल नियमों में संशोधन करना होगा। यह केंद्र सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए कि वह जेल मैनुअल 2016 में सुधार करने के साथ ही आदर्श जेल व सुधार सेवा अधिनियम, 2013 में संशोधन करते हुए दर्ज जाति-आधारित भेदभाव को दूर करे। यह बात बहुत चौंकाती है कि विचाराधीन या दोषी कैदियों के रजिस्टर में जाति का कॉलम होता है और जेल अधिकारी ही नहीं, स्वयं कैदी भी जाति देखकर व्यवहार करते हैं। जाति देखकर कैदियों को काम दिया या काम लिया जाता है। अत- जेल में जाति आधारित किसी भी कॉलम को समाप्त करने में ही भलाई है। आगामी वर्षों में जेल अधिकारियों की बड़ी जिम्मेदारी होनी चाहिए कि जेलों में जाति प्रथा का अंत हो। साफ-सफाई के काम से हर जाति के कैदियों को जोड़ा जाए। काम किन्हीं खास कैदियों पर लादने के बजाय क्रमवार सभी से कराया जाए, ताकि हर किसी को हर तरह के काम का मौका मिले। यह एहसास कैदियों में पैदा न हो कि किन्हीं खास जातियों के कैदी जेलों में ज्यादा आराम फरमाते हैं। वास्तव में, पिछड़ी जातियों के नेताओं को भी भेदभाव के अंत के लिए युद्ध स्तर पर सक्रिय होना चाहिए। सवाल यह भी है कि इस बड़ी समस्या की ओर पहले क्यों इशारा नहीं किया गया? सवाल यह भी है कि क्या भारतीय समाज या भारतीय व्यवस्था में अभी भी ऐसे क्षेत्र हैं, जहां अघोषित रूप से या सामान्य रूप से ही जातिगत भेदभाव की कुप्रथा बेधड़क चल रही है? यह पूरा प्रकरण इस बात का संकेत है कि पिछड़ों के नेताओं को ज्यादा सजग होने की जरूरत है। जेलों में सदियों से जिनका शोषण हो रहा था, क्या उनकी ओर से आवाज उठाने वाला कोई नहीं था? विशेष रूप से सरकारों को अपनी ओर से यह विस्तृत अध्ययन करना चाहिए कि जेलों में गरीबों और विशेष रूप से आदिवासियों की क्या स्थिति है? क्या जेलों में समानता का व्यवहार हो रहा है? बेशक, जहां भी संविधान के अनुरूप समानता या मानवीयता का व्यवहार नहीं हो रहा है, वहां जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़े कदम उठाने की जरूरत है।

जीवन की सुरक्षा और स्वतंत्रता का अतिक्रमण

निगरानी की तार्किकता

डॉ. रिपुदमन गुलाटी

डिजिटल युग के आगमन ने अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति का युग शुरू किया है, जिससे हमारे रहने, काम करने और बातचीत करने के तरीके बदल गए हैं। जबकि ये नवाचार कई लाभ लाए हैं, इन्होंने गोपनीयता, नागरिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं के क्षरण के बारे में भी गंभीर चिंताएं उठाई हैं। लेकिन निगरानी का बढ़ता सिलसिला हमारी आधुनिक दुनिया का एक अभिन्न अंग बन गया है। निगरानी, जो कभी केवल कानून प्रवर्तन और राष्ट्रीय सुरक्षा तक सीमित थी, ने अब ऑनलाइन व्यवहार की ट्रैकिंग करने से लेकर भौतिक आंदोलनों की निगरानी तक कई प्रकार की गतिविधियों को शामिल करने के लिए विस्तार किया है। सरकारें, कार्पोरेट और यहां तक कि व्यक्ति अब हमारे जीवन के बारे में बड़ी मात्रा में डेटा एकत्र कर सकता है, जिससे हमारे गोपनीयता के अधिकार की सीमा और दुर्व्यवहार की संभावना के बारे में प्रश्न उठते हैं। निगरानी कैमरे अब सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और स्टोरों से लेकर सरकारी भवनों तक में आम हो गए हैं। निःसंदेह, ये कैमरे अपराध को रोक सकते हैं और जांच में सहायता कर सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से व्यक्तियों की निगरानी किस हद तक की जानी चाहिए, इसके बारे में भी प्रश्न उठाते हैं। चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी हाल के वर्षों में तेजी से विकसित हुई है, जिससे अधिकारियों को वास्तविक समय में व्यक्तियों की पहचान करने में सक्षम बनाया गया है। जबकि यह तकनीक कानून प्रवर्तन उद्देश्यों के लिए उपयोगी हो सकती है, इसने इसके दुरुपयोग की आशंका को भी बढ़ाया है। अध्ययन से पता चला है कि चेहरे की पहचान के एल्गोरिदम कुछ जनसांख्यिकी के खिलाफ पक्षपाती हो सकते हैं, विशेष रूप से रंग के लोगों के खिलाफ। यह पूर्वाग्रह भेदभावपूर्ण परिणामों में ले जा सकता है, जैसे गलत गिरफ्तारी या निरोध। सार्वजनिक स्थानों में चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग बड़े पैमाने पर निगरानी और गोपनीयता के क्षरण के बारे में चिंताएं उठाता है। कुछ आलोचकों का तर्क है कि निगरानी कैमरों का प्रसार एक 'पैनोप्टिकन प्रभाव' पैदा करता है, जहां व्यक्ति लगातार देखा जाना और निगरानी महसूस करते हैं, जिससे अभिव्यक्ति और व्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। निगरानी फुटेज का भंडारण और प्रतिधारण डेटा गोपनीयता और व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग की संभावना के बारे में चिंताएं उठाता है। पैनोप्टिकन प्रभाव एक सामाजिक सिद्धांत है जो यह बताता है कि जब लोग लगातार निगरानी में महसूस करते हैं, तो वे अपने व्यवहार को बदलने और अधिक अनुपालन करने की अधिक संभावना रखते हैं। यह शब्द जेरमी बेंथम द्वारा डिजाइन किए गए एक काल्पनिक जेल से लिया गया है, जहां एक केंद्रीय गार्ड टॉवर से सभी कैदियों को देख सकता था, जबकि कैदियों को यह नहीं पता था कि वे देखे जा रहे हैं या नहीं। इस सिद्धांत के अनुसार, जब लोग सोचते हैं कि वे निगरानी में हैं, तो वे अपने व्यवहार को समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने के लिए दबाव महसूस करते हैं। यह प्रभाव सत्ता के एक नये रूप में देखा जा सकता है, क्योंकि यह लोगों को नियंत्रित करने और उनके व्यवहार को बदलने के लिए उपयोग किया जा सकता है। निगरानी के लाभ निर्विवाद हैं। इसने अपराध, आतंकवाद और सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निगरानी प्रणालियों ने अपराधियों की पहचान करने, हमलों को रोकने और बीमारियों के प्रसार को ट्रैक करने में मदद की है। इसके अलावा, उन्होंने ट्रैफिक प्रवाह में सुधार, संसाधन आवंटन का अनुकूलन और सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने में योगदान दिया है। हालांकि, निगरानी के संभावित नुकसान भी उतने ही घातक हैं। व्यक्तिगत डेटा का बड़े पैमाने पर संग्रह रखना, मुक्त भाषण, संगति और असंतोष पर एक गहरा प्रभाव डाल सकता है। यह एक निगरानी समाज भी बना सकता है जहां व्यक्ति लगातार निगरानी महसूस करते हैं और अपनी अभिव्यक्ति की क्षमता में प्रतिबंधित महसूस करते हैं। इसके अलावा, निगरानी का उपयोग भेदभावपूर्ण या दमनकारी उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, विशेष रूप से हाशिए के समूहों के खिलाफ। हाल के वर्षों में निगरानी के सबसे विवादास्पद पहलुओं में से एक सरकारों द्वारा बड़े पैमाने पर निगरानी कार्यक्रमों का कार्यान्वयन रहा है। इन कार्यक्रमों में फोन कॉल, ईमेल और इंटरनेट खोज जैसे व्यक्तिगत डेटा का व्यापक संग्रह और विश्लेषण शामिल है। जबकि समर्थक तर्क देते हैं कि ऐसे कार्यक्रम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं, लेकिन यह नागरिक स्वतंत्रताओं के लिए खतरा भी है। निगरानी के लाभों और हानियों के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए, स्पष्ट और लागू होने योग्य गोपनीयता कानून स्थापित करना आवश्यक है। इन कानूनों को निगरानी की सीमाओं को परिभाषित करना चाहिए, व्यक्तियों के गोपनीयता के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि डेटा का संग्रह और उपयोग नैतिक रूप से किया जाता है। सरकारों को भी अपनी निगरानी गतिविधियों के बारे में पारदर्शी होना चाहिए। सत्ता के दुरुपयोग और निरंकुशता को रोकने के लिए निरीक्षण के अधीन होना चाहिए। कानूनी ढांचे के अलावा, गोपनीयता जागरूकता और शिक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है। व्यक्तियों को अपने अधिकारों को समझने और अपनी गोपनीयता की रक्षा के लिए कदम उठाने के लिए सशक्त होना चाहिए। इसमें अपनी ऑनलाइन गतिविधियों के प्रति सचेत रहना, मजबूत पासवर्ड का उपयोग करना और व्यक्तिगत जानकारी साझा करने के बारे में सावधान रहना शामिल है। निःसंदेह, निगरानी के युग में जीवन और स्वतंत्रता को संतुलित करना एक जटिल चुनौती है।

(चिंतन-मनन)

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदर्शन किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुःख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा। जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आासन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब है और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदशर्क है। अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है। एक बार जब गुरु उपाय बन जाते हैं, तुम जीवन में कभी पराजित नहीं होते। गुरु के लिए भक्ति काफी है। गुरु यहां तुम्हारे लिए हैं और तुम्हारे अच्छे और बुरे समय के दौरान तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेले नहीं हो तो गुरु को ढूंढ़ निकालो और स्वाभाविक रूप से जियो और प्रेम और आनंद में खुशी मनाओ।

विचार मंथन

भारत की जेलों में 76 फ़ीसदी विचाराधीन कैदी वर्षों से बंद

(लेखक-सनत जैन)

- गरीबों को नहीं मिलती जल्द जमानत

भारत की जेलों में कैदियों की स्थिति चिंता का विषय है। हाल ही में जो आंकड़े आये हैं, उसमे भारत की जेलों में 76 फीसदी ऐसे कैदी बंद हैं, जिन पर कोई अपराध साबित नहीं हुआ है। आरोप के आधार पर उन्हें जेल में बंद कर दिया गया है। यह कैदी बिना किसी दोष सिद्धि के जेलों में कई वर्षों से बंद हैं। भारतीय न्यायिक और कानूनी प्रणाली की खामियों की चर्चा अब विश्व स्तर पर होने लगी है। भारत में न्यायिक प्रणाली की धीमी गति, जांच में भारी विलंब, न्यायालय में विलंब से मुकदमा पेश होना, न्यायालयों में मामलों की सुनवाई और निपटारे में देरी, जमानत देने पर ट्रायल कोर्ट और हाईकोर्ट की उदासीनता के कारण भारत की जेलों में लाखों लोग कई वर्षों से बंद हैं। भारत के नागरिकों को संवैधानिक मौलिक अधिकार मिले हैं। उनका भारत में कानूनी रूप से उलंघन हो रहा है। भारत की जेलों में बंद अधिकांश कैदी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से आते हैं, जिनके पास वकील करने या जमानत राशि भरने के लिए पैसे नहीं होते हैं। न्यायिक प्रक्रिया में देरी का खामियाजा निर्धन एवं गरीब मध्यम वर्ग के कैदियों को भुगतना पड़ता है। संविधान में वर्णित नागरिकों के मौलिक अधिकारों का खुलेआम उल्लंघन भारत में हो रहा है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में मानव अधिकार के मामले में लगातार रैंकिंग घटती चली जा रही है। ऐसे कैदी, जो वर्षों से जेल में बंद हैं उनकी सुनवाई ट्रायल कोर्ट में भी पूरी नहीं हुई है। ट्रायल कोर्ट से उन्हें जमानत भी नहीं दी गई है। जेलों में बंद कैदियों के ऊपर दोष साबित नहीं हुआ है। इसके बाद भी जेलों में उन्हें वर्षों तक बंद रखना, नागरिकों के मौलिक अधिकारों का खुला हनन है। न्यायपालिका स्वयं नागरिकों के अधिकारों पर ध्यान नहीं दे रही है। जिसके कारण अब कहा जा रहा है कि भारत की न्याय प्रणाली में अब सुधार की आवश्यकता है। भारत में सबसे पहले, जमानत प्रणाली को सरल और सुलभ बनाने की जरूरत है। ताकि गरीब और कमजोर वर्गों को इसका लाभ मिल सके। जिन मामलों में गंभीर अपराध के आरोप नहीं हैं, उनमें तुरंत जमानत दिए जाने पर विचार होना चाहिए। जमानत को नागरिकों के अधिकार के रूप में देखा जाना चाहिए। जांच एजेंसी द्वारा एक निश्चित समय सीमा पर जांच करने की बाध्यता हो। निश्चित समय पर न्यायालय में चार्ज शीट पेश हो। अदालती प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए अदालतों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। फास्ट ट्रैक अदालतें स्थापित करके छोटे और गैर-गंभीर मामलों का त्वरित निपटारा किया जाना चाहिए। जेल सही मायने में सजायाफ्ता कैदियों के लिए होती है। या उन अपराधियों के लिए होती है, जो समाज के लिए बेहद खतरनाक होते हैं। जेलों की स्थिति में सुधार लाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर भी प्रयास जरूरी हैं। जेलों में बंद कैदियों के लिए उचित चिकित्सा, भोजन, मानसिक एवं स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित की जानी चाहिए। भारत के जेलों की प्रशासनिक व्यवस्था बहुत खराब है। यहां पर क्षमता से तीन गुना ज्यादा कैदी जेलों में बंद हैं। इन्हें पर्याप्त खाना और प्राकृतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए जेल के अंदर जद्दो-जेहद करनी पड़ती है। कैदियों को जेल मे पुनर्वास और कौशल विकास के अवसर नहीं मिल रहे हैं। जिसके कारण जेल से बाहर निकलकर वह समाज और परिवार में फिर से अपनी जगह बना सकें। जेलों को केवल सजा देने का स्थान नही माना जाना चाहिए। जेलों को सुधार केंद्र के रूप में देखा जाना चाहिए। कैदियों के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें न्याय दिलाने की प्रक्रिया को तेज करना, न्याय व्यवस्था और मानवाधिकार दोनों के लिए आवश्यक हैं। जब तक न्यायिक प्रणाली में सुधार नहीं किया जाता। भारत में मानव अधिकारों की रक्षा करना संभव ही नहीं है। ब्रिटेन जैसे देश में बिचाराधीन कैदियों की संख्या मात्र 18 फ़ीसदी है। इंग्लैंड और यूरोप की अदालतों द्वारा जमानत के मामले में विशेष रूप से ध्यान दिया जाता है। यदि आरोपी को जमानत देने से समाज के बीच में कोई खतरा न हो। ऐसे आरोपियों को तुरंत न्यायालय द्वारा जमानत दी जाती है। इंग्लैंड और यूरोप की अदालतों में सुनवाई की प्रक्रिया निर्धारित समय पर पूरी की जाती है। वहां की जांच एजेंसियाँ समय पर जांच करके न्यायालय में मामला प्रस्तुत करती हैं। भारत में जब अंग्रेजों का शासन था, तब भी यहां विचाराधीन कैदियों को 90 दिन से ज्यादा जेल में रखने का प्रावधान नहीं था।

भवन निर्माण की लागत पर भी मिलेगा जीएसटी का इनपुट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक बड़ा फैसला दिया है। उस फैसले के अनुसार रियल एस्टेट, हॉस्पिटैलिटी, वाणिज्य,लीजिंग जैसे व्यवसाय मालिकों को बहुत बड़ी राहत मिली है। सफारी रिट्रीटस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा है,जीएसटी कानून के तहत इसे प्लांट माना जा सकता है। व्यवसाय के द्वारा भवन निर्माण में की गई निर्माण सामग्री की खरीद पर इनपुट का दावा किया जा सकता है। कोई भी कंपनी माल, गोदाम,रियल एस्टेट,हॉस्पिटल तथा व्यवसाय गतिविधियों के लिए निर्माण कार्य करता है। तो जीएसटी के रूप में का गए कर पर उसे जीएसटी का इनपुट अब सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश से मिल सकता है। अभी तक इस तरह के निर्माण पर जीएसटी का इनपुट नहीं मिलता था। इस फैसले के बाद अब सभी होटल हॉस्पिटल वेयर हाउस और किराए की गतिविधियां चलाने वाले सभी फर्म को जीएसटी का इनपुट निर्माण कार्य की सामग्री में चुकाये गए,जीएसटी का इनपुट मिल सकेगा।

पिछले 2 साल में अनसिक्योर्ड लोन की एनपीए दर उच्च स्तर पर

अनसिक्योर्ड लोन के डिफाल्टर बढ़े

मुंबई । रेटिंग एजेंसी के डेटा के अनुसार वर्ष 2022-23 में अनसिक्योर्ड लोन मैं 67 फ़ीसदी तथा 2023-24 में 42 फ़ीसदी की ग्रोथ देखने को मिली है। कोविड महामारी के बाद यह सबसे ऊंची दर है। बैंकों को सतर्क रहने का निर्देश दिया गया था। जिसके कारण अप्रैल से जून 25 की तिमाही में इसमें ज्यादा इजाफा नहीं हुआ। गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियां अपनी ब्रांचो से जो ऋण उपलब्ध कराती हैं। यह सारा अन सिक्योर्ड बिजनेस लोन होता है। फिनटेक कंपनियों के लोन डिफॉल्ट हो जाने से जोखिम बढ़ता चला जा रहा है। यह बिजनेस मॉडल माइक्रो इंटरप्राइजेज पर आधारित है। इसमें 10 लाख रुपए तक के ऋण 25 फ़ीसदी वार्षिक से ज्यादा सालाना ब्याज दर पर उपलब्ध कराए जाते हैं। इंडिया रेटिंग्स के अनुसार कर्ज धारकों पर ऋण की राशि लगातार बढ़ती जा रही है। बैंकों को फंसी कर्ज की बड़ी रकम राइटआफ करनी पड़ सकती है। जिसके कारण बैंकों का जोखिम लगातार बढ़ता जा रहा है।

ईरान-इजरायल संघर्ष से भारत का चाय उद्योग संकट में

- पश्चिमी एशिया में निर्यात प्रभावित होने की आशंका

तेहरान । ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव से भारत के चाय उद्योग पर भी ऐसे वक्त में आशंका के बादल मंडराने लगे हैं जब पश्चिमी एशियाई बाजार में बेहतर कारोबार की संभावनाएं दिख रही थीं। जब इजरायल-हमास विवाद अक्टूबर 2023 में बढ़ा तब चाय निर्यातकों के लिए सबसे बड़ी चिंता की बात यह थी कि इसका प्रभाव पश्चिमी एशियाई देशों तक होगा विशेषतौर पर ईरान पर।परंपरागत तौर पर ईरान भारतीय चाय का एक प्रमुख केंद्र रहा है। उद्योग का कहना है कि इस साल ईरान से काफी अच्छी मांग की गई है। भारतीय चाय निर्यातक संगठन के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है, 'पिछले साल ईरान में कारोबार, भुगतान चुनौतियों के चलते प्रभावित हुआ। लेकिन इस साल इस कारोबार में अच्छा-खासा सुधार दिखा। कलकत्ता चाय व्यापारी संगठन (सीटीटीए) के आंकड़ों के मुताबकि उत्तर भारत की परंपरागत चायपत्ती की औसत कीमत वर्ष 2024 में 288.77 रुपये प्रति किलोग्राम है जबकि वर्ष 2023 में इसकी कीमत 217.20 रुपये प्रति किलोग्राम थी। वहीं दक्षिण भारत की परंपरागत चायपत्ती की औसत कीमत वर्ष 2023 के 147.35 रुपये प्रति किलोग्राम की तुलना में 164.97 रुपये प्रति किलोग्राम है। एशियन टी कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है, अगर तनावपूर्ण स्थिति में कमी नहीं आती है तब माल ढुलाई के रास्ते और बीमा पर भी असर पड़ सकता है।

गूगल पे से मिलेगा अब गोल्ड लोन

भारत में अडानी समूह के साथ गूगल की पार्टनरशिप

भारत में मुथूट फाइनेंस के साथ गूगल की पार्टनरशिप

नई दिल्ली।

टेक कंपनी गूगल पे बड़ी तेजी के साथ भारत में अपना बिजनेस बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। गूगल ने एआई स्किल हाउस लॉन्च किया है। जो कई तरह की सेवाओं को उपलब्ध कराएगी। 3 अक्टूबर को गूगल ने अपने वार्षिक इवेंट में गूगल पे के माध्यम से गोल्ड लोन उपलब्ध कराने की सेवा शुरू कर दी है। इसके लिए मुथूट फाइनेंस के साथ गूगल पे ने पार्टनरशिप की है। गूगल पे ने लोन लिमिट को 5 लाख रूपये तक बढ़ा दिया है। गूगल इवेंट का यह दसवां साल है। भारत में यह आठ भाषाओं में सेवाएं उपलब्ध करा रही है।

गूगल और अडानी समूह में पार्टनरशिप

गूगल ने भारत में अदानी समूह के साथ पार्टनरशिप की है। इसके तहत गुजरात के खावड़ा में 61.4 मेगावाट का सोलर विंड हाइब्रिड प्लांट,राजस्थान में 6 मेगावाट का सोलर प्लांट, कर्नाटक में 59.4 मेगावाट का विंड प्लांट लगाने का अनुबंध किया है। गूगल 2026 तक भारतीय ग्रिड में 186 मेगावाट की न्यू क्लीन एनर्जी, जेनरेशन कैपेसिटी से जुड़ने का लक्ष्य लेकर चल रहा है।

एआई में गूगल का धमाका

गूगल ने एआई स्किल हाउस लॉन्च किया है। जो भारतीय युवाओं के लिए नौकरी के लिए विभिन्न किस्म के प्रशिक्षण कार्यक्रम को लेकर आ रहा है। यूट्यूब, गूगल, क्लाउड स्किल्ड प्रोग्राम फी में उपलब्ध कराए जाएंगे। यह प्रशिक्षण कोर्स अंग्रेजी तथा 7 भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की दिशा में गूगल कम कर रहा है।

गूगल ऑनलाइन पेमेंट

भारत में गूगल अपनी ऑनलाइन पेमेंट सेवाओं को ज्यादा से ज्यादा प्रभावी बनाने के लिए हर स्तर पर हाथ पैर मार रहा है। यूपीआई सर्कल के जरिए वह भारतीय उपभोक्ताओं तक सीधा जुड़ने का प्रयास कर रहा है।

2030 तक 33 लाख करोड़ का लक्ष्य

गूगल इंडिया के एमडी का कहना है, वह एआई के माध्यम से वर्ष 2030 तक भारत में 33 लाख करोड रुपए के आर्थिक लेनदेन के लक्ष्य के लिए काम कर रहा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तरह-तरह की सेवाओं का विस्तार अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं में करने की योजना गूगल ने तैयार की है।

गूगल भारत में सबसे बड़ा प्लेयर बनने के लिए भारत की छोटी कंपनियों के साथ भागीदारी सिस्टम को विकसित कर रहा है। इसमें सबसे बड़ी भूमिका गूगल के यूपीआई की होगी।

मार्क जकरबर्ग ने जेफ बेजोस को संपत्ति मामले में पीछे छोड़ा

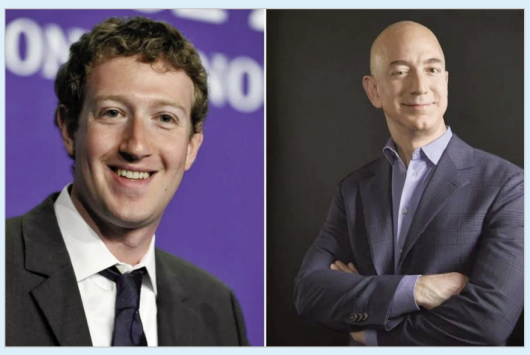

वाशिंगटन । मार्क जकरबर्ग ने संपत्ति के मामले में अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस को पीछे छोड़ दिया है। ऐसा मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयरों में लगातार बढ़ोतरी के कारण हुआ। मेटावर्स और एआई पर जकरबर्ग के जिस दांव को शुरू में एक बहुत बड़ी विफलता की तरह देखा जा रहा था, हाल के महीनों में सफल साबित हुआ है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार गुरुवार को जकरबर्ग की कुल संपत्ति 206.2 बिलियन डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। इस वृद्धि से वे संपत्ति के मामले में अमेजन के बेजोस से 1.1 बिलियन आगे निकल गए। अब इस मामले में उनसे आगे केवल टेस्ला के एलन मस्क है। जिनकी संपत्ति जकरबर्ग से लगभग 50 बिलियन डॉलर अधिक है।मेटा के शेयरों में दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर बिक्री के आंकड़े और एआई चैटबॉट को शक्ति देने वाले बड़े भाषा मॉडल की दिशा में कदम बढ़ाने के बाद 23 फीसदी की वृद्धि आई। कंपनी के शेयर गुरुवार को 582.77 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर बंद हुआ।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 800 , निफ्टी 200 अंक नीचे आया

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को भी गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन भी बाजार में गिरावट बनी रही। इसका कारण दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होना है। आज सुबह बाजार बाजार लाल निशान पर खुला और ये गिरावट समय के साथ ही बढ़ती रही। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 808.65 अंक करीब 0.98 फीसदी नीचे आकर 81,688.45 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 200.25 अंक तकरीबन 0.79 फीसदी की गिरावट के साथ ही 25,049.85 के स्तर पर बंद हुआ। गत दिवस भी बाजार भारी गिरावट पर बंद हुआ था। जानकारों के अनुसार मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष से उपजी चिंताओं के कारण भी बाजार गिरा है। सेक्टोरल इंडेक्स की बात की जाए तो निफ्टी में आज केवल दो सेक्टर ऐसे रहे जो लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए। आईटी शेयरों की बात की जाए तो इंफोसिस, विप्रो, कोफोर्ज, और टेक महिंद्रा के शेयरों के बल पर निफ्टी आईटी ने कुल 0.36 फीसदी की बढ़त बनाई। इंफोसिस का शेयर आज सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों में रहा। इसके अलावा बैंक ऑफ बड़ौदा और इंडियन बैंक के बैंक के शेयरों में भी कुल 0.54 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। आज

निफ्टी पर बैंक ऑफ बड़ौदा के शेयर 2.10 फीसदी उछले। निफ्टी 50 के 50 शेयरों में से 37 नुकसान के साथ ही नीचे आये हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, नेस्ले इंडिया, बीपीसीएल और हीरो मोटोकॉर्प में 3.54 फीसदी तक की गिरावट रही जबकि इंफोसिस, ओएनजीसी, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, टाटा मोटर्स और विप्रो उन 13 शेयरों में से थे, जो 1.51 फीसदी की बढ़त के साथ ही लाभ पर बंद हुए। वहीं सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, नेस्ले, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर नुकसान में रहे जबकि भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, इंफोसिस, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स, टाटा कंसल्टेंसी के शेयरों को सबसे अधिक लाभ हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार में कमजोरी देखने को मिली। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के खतरे ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। कारोबार की शुरुआत में बीएसई सेंसेक्स 252 अंक गिरकर 82,244 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50, 68 अंक की गिरावट के साथ 25,181 पर कारोबार करता दिखा।वहीं एशिया-प्रशांत बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला। यह वॉल स्ट्रीट में आई गिरावट और मध्य पूर्व में बढ़ते तनावों के चलते हुआ। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 इंडेक्स 1 प्रतिशत से अधिक गिरा। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स 0.09 प्रतिशत नीचे आया, जबकि टॉपिक्स इंडेक्स में मामूली बढ़त दर्ज की गई। वहीं, दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 0.49 प्रतिशत बढ़ा। दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में 0.19 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि कोस्डाक इंडेक्स 0.74 प्रतिशत ऊपर गया।

वेदांता की दूसरी तिमाही में एल्युमीनियम, जस्ता,उत्पादन में वृद्धि

नई दिल्ली ।

खनन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी वेदांता लिमिटेड का जुलाई-सितंबर तिमाही में उसके एल्युमीनियम, जस्ता और लौह अयस्क उत्पादन में वृद्धि हुई है। हालांकि, तिमाही के दौरान इस्पात, विदेशों में खनन धातु और तेल व गैस का उत्पादन घटा। वेदांता ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि दूसरी (जुलाई-सितंबर) तिमाही में एल्युमीनियम उत्पादन पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में तीन प्रतिशत बढ़कर 6,09,000 टन हो गया। जिंक इंडिया में बिक्री योग्य धातु उत्पादन 2,41,000 टन से बढ़कर 2,62,000 टन हो गया। जिंक इंटरनेशनल में खनन धातु उत्पादन 34 प्रतिशत घटकर 44,000 टन रह गया, जो दूसरी तिमाही में 66,000 टन था।इस बीच, तेल व गैस उत्पादन 22 प्रतिशत घटकर 1,04,900 बीओईपीडी (प्रतिदिन तेल समतुल्य बैरल) रह गया, जो तिमाही के दौरान औसत दैनिक सकल प्रचालित उत्पादन है, जो एक वर्ष पूर्व इसी तिमाही के 1,34,100 बीओईपीडी से कम है। विक्रय योग्य लौह अयस्क का उत्पादन एक वर्ष पूर्व की समान अवधि के 12 लाख टन से बढ़कर 13 लाख टन हो गया। कुल बिक्री योग्य इस्पात उत्पादन 22 प्रतिशत घटकर 2,96,000 टन रह गया तथा बिजली की बिक्री सात प्रतिशत बढ़कर 432.2 करोड़ इकाई हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर अवधि में 404.7 करोड़ इकाई थी।कंपनी ने कहा कि दूसरी तिमाही में स्टील मेल्टिंग शॉप की बाधाओं को दूर करने और ऑक्सीजन संयंत्र के रखरखाव के कारण नियोजित बंद के कारण उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। वेदांता लिमिटेड, वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड की एक अनुषंगी कंपनी है। यह भारत, दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया, लाइबेरिया, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कोरिया, ताइवान और जापान में फैली दुनिया की अग्रणी प्राकृतिक संसाधन कंपनियों में से एक है। इसका तेल व गैस, जस्ता, सीसा, चांदी, तांबा, लौह अयस्क, इस्पात, निकल, एल्यूमीनियम और बिजली के क्षेत्र में महत्वपूर्ण परिचालन है।

महिंद्रा ने छोटे इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन खंड में प्रवेश किया

मुंबई । घरेलू वाहन विनिर्माता कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा (एमएंडएम) ने छोटे इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहन खंड में उतरने की घोषणा की। कंपनी ने दो टन से कम वजन वाले खंड में इलेक्ट्रिक चार-पहिया वाहन जियो को पेश किया है। इसकी कीमत 7.52 लाख रुपये से शुरू होती है। महिंद्रा लास्ट माइल मोबिलिटी की एक अे धिकारी ने कहा कि इस खंड में डीजल की तुलना में इलेक्ट्रिक उत्पाद सात वर्ष की अवधि में ग्राहकों के लिए बढ़िया मूल्य देता है। उन्होंने कहा` कि इस श्रेणी का एक प्रतिशत ही अभी इलेक्ट्रिक है जबकि तिपहिया श्रेणी में यह अनुपात लगभग 20 प्रतिशत है। हमारी आकांक्षा इस अनुपात को बढ़ाने की है। उन्होंने कहा कि पारंपरिक छोटे वाणिज्यिक वाहन खंड में कंपनी की जीतो के साथ पहले से ही 14-15 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी है। मिश्रा ने बताया कि कंपनी को इस मॉडल की लगभग 12,000 इकाइयों के ऑर्डर पहले ही मिल चुके हैं। यह एक बार चार्ज करने पर 160 किलोमीटर की दूरी तय करती है।

भारत में अगले पांच साल में आम आदमी की आय दोगुनी होगी: वित्त मंत्री

नई दिल्ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि भारत अगले पांच साल में प्रति व्यक्ति आय को करीब दोगुना कर देगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधारों से आने वाले दशकों में आम आदमी के जीवन स्तर में सबसे तेज वृद्धि होगी। कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन के तीसरे संस्करण को यहां संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि हाल के दशक में भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक प्रदर्शन पांच वर्षों में उसके 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तक पहुंचने में साफ नजर आता है। उन्होंने कहा कि जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमए) के अनुमानों के अनुसार हमें 2,730 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय तक पहुंचने में 75 साल लगे, लेकिन इसमें 2,000 अमेरिकी डॉलर और जोड़ने में केवल पांच साल लगेंगे। आने वाले दशकों में आम आदमी के जीवन स्तर में सबसे तेज वृद्धि देखी जाएगी, जो वास्तव में भारतीयों का एक युग होगा। उन्होंने कहा कि भारत एक खंडित दुनिया में जहां लगातार कई संघर्ष बदतर हो सकते हैं जिससे वैश्विक शांति के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है जो समृद्धि का आधार हैज ऐसे माहौल में अपनी 1.4 अरब की आबादी के लिए कुछ वर्षों में अपनी प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह असमानता में

कमी के साथ हासिल किया जा रहा है, क्योंकि ग्रामीण भारत के लिए गिनी गुणांक 0.283 से घटकर 0.266 हो गया है, जबकि शहरी क्षेत्रों के लिए यह 0.363 से घटकर 0.314 हो गया है।

रिन्यूएबल एनर्जी कंपनियां 20 गीगावाट परियोजनाओं के लिए तलाश रहीं खरीदार

नई दिल्ली ।

भारत में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की करीब 10 अग्रणी कंपनियां 20 गीगावाट क्षमता की परियोजनाओं के लिए खरीदार तलाश रही हैं। परियोजनाओं में कई तरह की अड़चनों का सामना करने के बाद कंपनियां यह कदम उठा रही हैं। इन अड़चनों में बिजली खरीद करार और बिजली आपूर्ति समझौता नहीं होना तथा ट्रांसमिशन के लिए कनेक्टिविटी से जुड़ी चुनौतियां शामिल हैं। देश में इस समय 150 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता तैयार है। जो परियोजनाएं बेचने की कोशिश चल रही है, उनकी क्षमता उद्योग की कुल क्षमता की करीब 13.3 फीसदी है। एक बैंकर ने कहा कि कनाडा की ब्रुकफील्ड भारत में अपनी 1.6 गीगावाट क्षमता बेचने के लिए मलेशिया का एक खरीदार तलाशने में कामयाब रही है। यह परियोजना चालू है और संभावित खरीदार के साथ 1 अरब डॉलर के उद्यम मूल्य पर बातचीत चल रही है। ब्रुकफील्ड के प्रवक्ता ने इस बारे में कुछ भी कहने से मना कर दिया। बैंकर ने कहा कि रीन्यू पावर भी अपनी सोलर विनिर्माण क्षमता को बेचने की संभावना तलाश रही है। कंपनी इससे मिलने वाली रकम से अपना कर्ज कम करेगी। रीन्यू पावर के प्रवक्ता ने ईमेल के जवाब में कहा कि रीन्यू बाजार में चल रही अटकलों के जवाब में कुछ नहीं कहती। जेएसडब्ल्यू समूह भी एनआईआईएफ और ब्रिटिश इंटरनैशनल इन्वेस्टमेंट के निवेश वाली कंपनी अयाना रीन्यूएबल पावर का अधिग्रहण करना चाहता है और इसके लिए बातचीत अंतिम दौर में पहुंच गई है। अयाना के पास 5 गीगावाट क्षमता है, जिसमें से कुछ पहले से उत्पादन कर रही है और कुछ निर्माणाधीन है। इस बारे में जानकारी के लिए जेएसडब्ल्यू समूह के प्रवक्ता को ईमेल भेजा गया मगर खबर लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया।

ईवी की बैट्री बदलना अब महंगा सौदा नहीं होगा

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक वाहन की बैट्री बदलना लोगों के लिए अब महंगा सौदा नहीं होगा। इसकी कीमत और कम हो जाएगी। ग्रेटर नोएडा एक्सपो सेंटर में चल रहे रीन्यूएबल एनर्जी इंडिया (आरईआई) और बैटरी शो इंडिया में नई-नई तकनीकों का बैट्री कंपनियों ने प्रदर्शन कर रही हैं। बैट्री स्टोरेज 2031-32 तक 47 गीगावॉट तक पहुंचने की तैयारियों को दिखाया गया है। भारत लिथियन-आयन बैटरी के स्वदेशी उत्पादन में के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। उम्मीद है कि इससे उत्पादन क्षमता 2030 तक 150 गीगावॉट तक पहुंच जाएगा, जो सेल की कुल मांग का 13 फीसदी हिस्सा कवर करेगा। इसी तरह के लक्ष्यों के साथ बैट्री कंपनियां इस एक्सो में पहुंची हैं। मौजूदा समय देश में 1.6 करोड़ ईवी हैं। इनकी संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। देश में 2030 तक इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री को 30 फीसदी तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। केन्द्र सरकार ने रीन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में 2030 तक 500 गीगावॉट बिजली प्राप्त के लक्ष्य को हासिल करने के लिए, अगले 5 वर्षों में सालाना 50 गीगावॉट की रीन्यूएबल एनर्जी क्षमता जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है। रिन्यूएबल एनर्जी के लक्ष्य को पूरा करने के लिए 30.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। एवे सपो में इन्फोर्मा मार्केट्स इन इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया रीन्यूएबल एनर्जी इंडिया एक्सपो 2024 और बैटरी शो इंडिया, कार्बन फुटप्रिन्ट कम करने और रीन्यूएबल एनर्जी को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है। सरकार का 2030 तक कार्बन उत्सर्जन को 45 फीसदी तक कम करने के लक्ष्य है।

भारत में एप्पल चार और स्टोर खोलेगी

नई दिल्ली ।

आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल भारत में चार और स्टोर खोलने पर विचार कर रही है जो पुणे, बेंगलुरु, दिल्ली-एनसीआर और मुंबई में स्थित होंगे। कंपनी ने शुक्रवार को बयान में कहा कि कंपनी जल्द अपने पहले 'मेड इन इंडिया' आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स भी पेश करेगी। एप्पल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हम अपने दलों का निर्माण कर खुश हैं क्योंकि हम भारत में और अधिक स्टोर खोलने की योजना बना रहे हैं। हम इस देश में अपने ग्राहकों के जुनून से प्रेरित हैं। एप्पल ने अप्रैल 2023 में भारत में अपने पहले दो स्टोर दिल्ली और मुंबई में खोले थे। इस घटनाक्रम से पे रि चित लोगों के अनुसार, नए स्टोर अगले वर्ष खोले जाने की संभावना है।

बयान में कहा गया कि एप्पल अब भारत में आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स सहित सभी आईफोन 16 का विनिर्माण

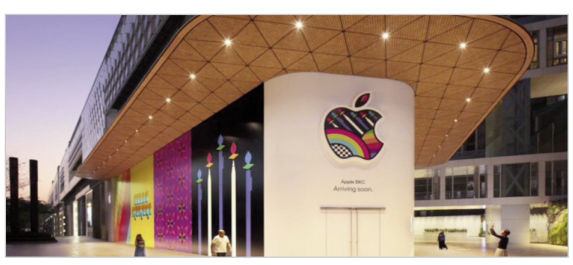

कर रहा है। एप्पल ने 2017 में भारत में आईफोन का विनिर्माण शुरू किया था। बयान में कहा गया है कि भारत में निर्मित आईफोन 16 प्रो और प्रो मैक्स जल्द ही हमारे स्थानीय ग्राहकों के लिए और दुनिया भर के चुनिंदा देशों में निर्यात के लिए उपलब्ध होंगे। सूत्रों के अनुसार मेड-इन-इंडिया आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 प्रो मैक्स की आपूर्ति इसी महीने शुरू होने की उम्मीद है।

टमाटर की उन्नत कृषि कार्यमाला

" टमाटर अत्यंत ही लोकप्रिय तथा पोषक तत्वों से युक्त फलदार सब्जी है। जिसका उपयोग साल भर किया जाता है। सब्जी के अलावा उससे सूप, चटनी, सलाद, आदि के रूप में भी उपयोग किया जाता है। विटामिन व अन्य खाद्य पदार्थ उपयुक्त मात्रा में पाये जाते हैं। "

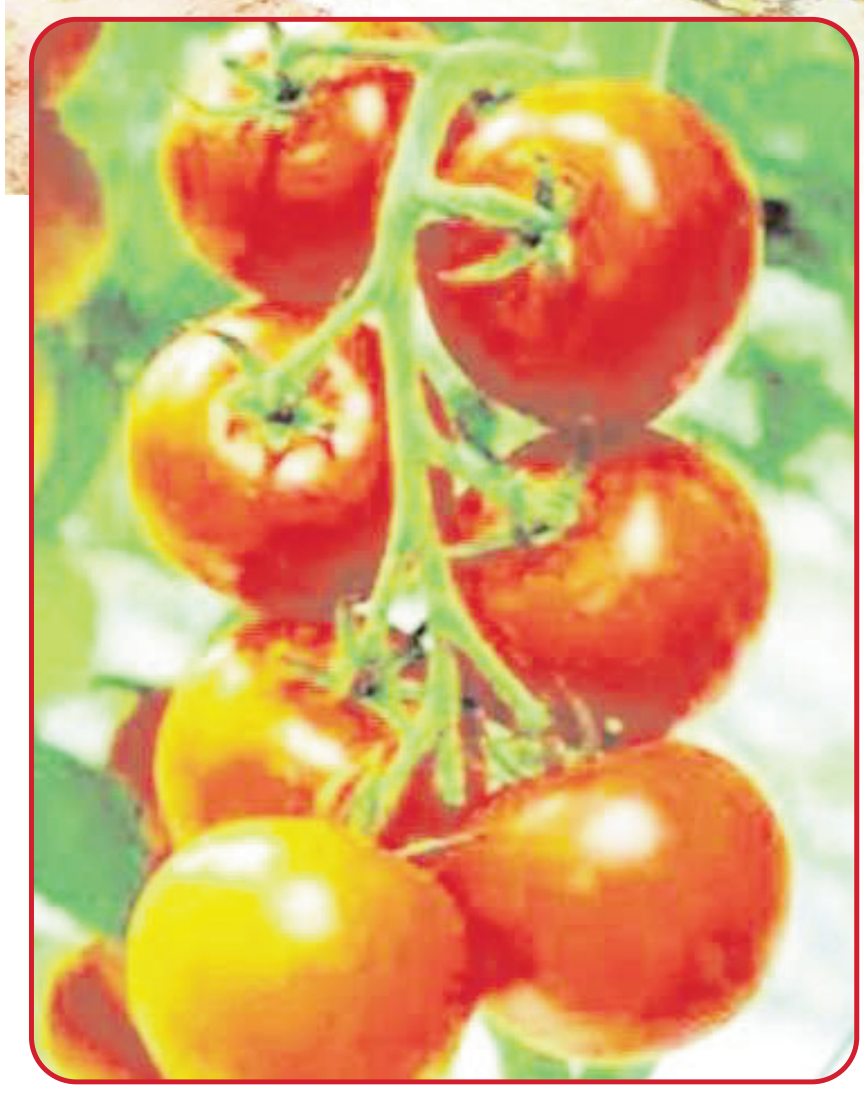

⊙**भूमि**- टमाटर की खेती कई किस्मों की मिट्टी में की जाती है लेकिन अच्छी जल निकासी चिकनी मृदा तथा दोमट मिट्टी सर्वोत्तम है।

⊙**खेत की तैयारी :-** प्रथम जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से करने के बाद 2-3 बार कल्टीवेटर या हैरो चलाना चाहिए ताकि भूमि की निचली कठोर परत टूट जाए। प्रत्येक जुताई के बाद पाटा चलाना चाहिए ताकि मिट्टी भुरभुरी हो जाए।

⊙**उन्नतशील किस्में :-** पूसा रूबी, पन्त टी-1 पंजाब छुआरा, अर्का विकास, पूसा अर्ली ड्वार्फ आदि।

⊙**बीज दरः-** देशी - 400-500 ग्राम/ हेक्टेयर

⊙संकर - 100 ग्राम / हेक्टेयर

⊙**पौध तैयार करना (नर्सरी):-** वर्षा ऋतु में 10 सें.मी. ऊंची क्यारी तैयार कर उसमें बीज बोना चाहिए। बीज कतारों में बोना चाहिए।

⊙**बीजोपचार :-** बीज को बोने से पूर्व थायरम या बाविस्टिन से 2 ग्राम/ किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करना चाहिए।

⊙**बुआई का समय :-** खरीफ- जून-जुलाई, शीत -अक्टूबर- नवम्बर

⊙**रोपण :-** क्यारियों में जब पौधे 4 से 5 सप्ताह के हो जाएं या 7 से 10 सें.मी. के हो जाएं तब खेत में रोपित करना चाहिए। पौध रोपण के पश्चात् तुरन्त हल्की सिंचाई करनी चाहिए। एक स्थान पर एक ही पौधा लगाएं।

⊙**पौध अन्तरणः-** कतार से कतार की दूरी 75 सें.मी. एवं पौध से पौध की दूरी 60 सें.मी. रखना चाहिए।

⊙**उर्वरक की मात्रा :-** गोबर खाद 200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर भूमि की तैयारी के समय मिलाना चाहिए। यूरिया 217 किलो प्रति हेक्टेयर, तीन भागों में देना चाहिए। पहला भाग, पौध रोपण के समय तथा दूसरा भाग एवं तीसरा भाग 30 दिन के अन्तर से देना चाहिए। एस.एस.पी. 500 किलो/ हेक्टेयर व पोटाश 100 किलो प्रति हेक्टेयर पौध रोपण के समय देना चाहिए।

⊙**सिंचाई :-** टमाटर में अधिक तथा कम सिंचाई दोनों ही हानिकारक हैं। शरद ऋतु में 10 से 12 दिन के अन्तर तथा गर्मी में 4-5 दिन के अन्तर में भूमि के अनुसार सिंचाई की जा सकती है।

⊙**निंदाई गुड़ाई :-** टमाटर की फसल को खरपतवारों से मुक्त रखने के लिए निरंतर निंदाई-गुड़ाई करते रहना आवश्यक है। गुड़ाई उथली करनी चाहिए जिससे जड़ों को नुकसान न पहुंचे। 30-40 दिन बाद पौधों पर मिट्टी चढ़ा देना चाहिए।

⊙**वृद्धि नियामकों का प्रयोग :-** वृद्धि नियामकों का प्रयोग फूलों को झड़ने से रोकने तथा बिना निषेचन के फलों को विकास के लिए उपयोगी सिद्ध हुआ है। पी. सी.पी.ए. 50-100 पी. पी. एम. (50-100 मि.ग्रा./ लीटर पानी में घोलना है) के घोल का छिड़काव लाभकारी होता है।

⊙**सहारा देना :-** ऊंचाई व मध्यम ऊंचाई वाली किस्मों को पेड़ की टहनियां (बांस) की सहायता से सहारा देना चाहिए, ऐसा करने से पौधे की वृद्धि अच्छी होती है, वर्षा ऋतु में फल तथा पेड़ सड़ते नहीं हैं। फलों का आकार बढ़ जाता है तथा पैदावार भी अधिक होती है।

⊙**फलों की तुड़ाई :-** टमाटर के फसल की तुड़ाई कई अवस्थाओं में की जाती है-

⊙ **कच्चे या हरे फल :-** टमाटर को अधपके हरे से गुलाबी पड़ने पर तब तोड़ा जाता है जब इसे दूर स्थित बाजारों में विपणन हेतु भेजना होता है।

⊙ **गुलाबी या हल्के लाल फलः-** टमाटर को गुलाबी या हल्के लाल होने की अवस्था में तब तोड़ा जाता है जब इसे स्थानीय बाजारों में भेजना होता है।

⊙ **पके हुए टमाटर :-** फलों का अधिकतम भाग लाल होता है व नरम होता है ऐसे फल घरेलू उपयोग या कच्चे सलाद खाने के काम आते हैं।

⊙**अधिक पके टमाटर :-** बीज उत्पादन के लिए लाल फल आदर्श माने जाते हैं। फल परीक्षण के लिए भी अधिक पके टमाटर अच्छे माने जाते हैं।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

⊙**भूरापन या ब्राउनिंग** - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

⊙**लक्षण** - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

⊙**उपचार** - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

⊙**व्हिपटेल** - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - मुख्यतः मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यतः व्हिपटेल कहा जाता है।

⊙**उपचार** - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

⊙**बटनिंग** - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

⊙**लक्षण** - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

⊙**उपचार** - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

⊙**रेसीयनेस** - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यतः वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

⊙**लक्षण** - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

⊙**उपचार** - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

⊙**अन्धता** - अन्धता गोभीवर्गीय फसलों से पौधे की वृद्धि के शुरूआत मुख्य कलिका में कीट के प्रकोप के कारण तथा वातावरण में तापमान में कमी होने वाला पाला पड़ने के कारण होता है।

⊙**लक्षण** - अन्धता में पौधे की मुख्य कलिका कीट के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है तथा इसके पत्ते बड़े, चमड़े जैसे मोटे और गहरे रंग के हो जाते हैं।

⊙**उपचार** - अन्धता की रोकथाम के लिए मुख्य कलिका को कीटों से क्षतिग्रस्त होने से बचाने के लिये कीटनाशक का प्रयोग करना चाहिए, उचित किस्म का चयन करना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संतकबीर नगर में त्यौहार पर हुड़दंगियों की खैर नहीं

एसडीएम और सीओ ने चेताया, पूरे मेंहदावल शहर में निकाला फ्लैग मार्च

संतकबीर नगर। आगामी दशहरा और दीपावली पर्व के मद्देनजर संतकबीरनगर के मेंहदावल कस्बे में शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से गुरुवार देर शाम पुलिस और तहसील प्रशासन द्वारा फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान एसडीएम और सीओ ने हुड़दंगियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आगामी दशहरा और दीपावली पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए मेंहदावल कस्बे में पुलिस और तहसील प्रशासन ने गुरुवार देर शाम फ्लैग मार्च निकाला। इस मार्च में उप जिलाधिकारी (एसडीएम) उत्कर्ष श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी

(सीओ) केशवनाथ और मेंहदावल के प्रभारी निरीक्षक रामकृपाल सिंह समेत भारी संख्या में पुलिस बल शामिल रहा।एसडीएम ने दी चेतावनी एसडीएम उत्कर्ष श्रीवास्तव ने फ्लैग मार्च के दौरान हुड़दंगियों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति जो शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करेगा, उसके खिलाफ पुलिस सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा, शहर में शांति और सुरक्षा बनाए रखना हमारी प्राथमिकता है, और इस पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। शहरवासियों से शांति बनाए रखने की अपील फ्लैग मार्च के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में जाकर नागरिकों से अपील की कि वे त्योहारों के दौरान शांति और सद्भाव बनाए रखें। एसडीएम श्रीवास्तव ने कहा, त्योहारों का मकसद खुशियां मनाना है, इसलिए हम सभी से आग्रह करते हैं कि किसी प्रकार का विवाद न हो और सभी त्योहार शांति से संपन्न हों।

सीओ ने मांगी सहयोग की अपील

मेंहदावल के सीओ केशवनाथ ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि आपके आसपास कोई शांति व्यवस्था भंग करने की कोशिश करता है, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। उन्होंने कहा, पुलिस हर स्थिति पर नजर रख रही है और किसी भी प्रकार की अराजकता को बर्दाश्त नहीं करेगी। नागरिकों से हमारा अनुरोध है कि वे पुलिस का सहयोग करें ताकि सभी त्यौहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाए जा सकें।

संक्षिप्त डायरी

भारत तभी सुरक्षित है जब हिंदू बहुसंख्यक हैं

बस्ती। में एक संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने आए अयोध्या हनुमान गढ़ी मंदिर के महंत राजू दास महाराज ने मीडिया से बातचीत की। यहां उन्होंने कहा भारत तभी सुरक्षित हैं, जब हिंदू बहुसंख्यक हैं। कहा देश में देखिए कि लैंड जेहाद, थूक जेहाद, मूत जेहाद, लव जेहाद चलाकर मानवता को शर्मशार करने की घटनाएं, संस्कृति को मिटाने का कार्य चल रहा। एसटीएफ को लेकर टिप्पणी के सवाल पर कहा वही लोग टिप्पणी करते हैं, जिनके सरकार में पांच हजार से दंगे हर साल होते थे। वही लोग टिप्पणियां करते हैं, जो जेल में रहने के बाद अपराधी जेल से बाहर आकर हमारी मां, बहन, बेटियों की इज्जत लूटता था। रंगदारी टैक्स लेकर फिर जेल चला जाता था। वहीं लोग टिप्पणी कर रहे हैं, जो राम को काल्पनिक कहते थे, वही लोग टिप्पणी करते हैं, जो सनातन को मिटाने का प्रयास करते हैं। राष्ट्रवादी कोई टिप्पणी नहीं कर रहा है। पहले वो अपने में झांक कर देख लें, उन्होंने कितने घृषित कार्य किए, कितने पापाचार किए, कितने कुकर्म किए, कितने अधर्म किए। आज बाबा का बुलडोजर जब गरजता है, तो उनको तकलीफ होती है, उनको दर्द होता है, क्योंकि उन्हीं के तो रिश्तेदार लोग ऐसे कार्य कर रहे हैं। तिरुपति बालाजी के लड्डू में मिलावट करने वाले को फांसी हो महंत राजू दास ने तिरूपति बालाजी मंदिर के प्रसाद लड्डू में मिलावट के सवाल पर कहा तिरुपति बाला जी में जो हुआ, उसकी हम कल्पना मात्र से डर जाते हैं, क्योंकि हम वैष्णव हैं, सीता राम धारण किए हुए हैं, प्याज, लहसुन तक वर्जित है। जहां गाय की चर्बी मिलाई जा रही हो, जहां मछली का तेल मिलाया जाता हो, जहां अखाद्य पदार्थ के ऑयल मिलाकर प्रसाद बनाया जाता हो, उससे दुर्भाग्य की बात और क्या हो सकती है। अगर वह सही है तो उन लोगों के खिलाफ फांसी की कार्रवाई होनी चाहिए। मैं मांग करता हूं पूरे देश में जितने भी मंदिर हैं, मुक्त करो, संतों के हवाले करो, ऐसे कार्य नहीं होंगे।

नवरात्रि में फ्लोटिंग रेस्टोरेंट पर फलहार का भी पूरा इंतजाम

गोरखपुर। शारदीय नवरात्रि पर हर तरफ भक्तिमय माहौल है। अधिकांश लोग मां भगवती की भक्ति में लीन हैं। 9 दिनों का व्रत रखे हुए हैं। बावजूद इसके गोरखपुर के फ्लोटिंग रेस्टोरेंट पर पर्यटकों की भीड़ कम होने की बजाय नवरात्रि में और बढ़ गई है। जिसका नतीजा यह है कि पूरा रेस्टोरेंट हाउस फुल रह रहा है। इसकी बड़ी वजह यह है कि नवरात्रि पर फ्लोटिंग रेस्टोरेंट में नवरात्रि स्पेशल फलाहार व्यंजनों का भी इंतजाम किया गया है। जिसमें नवरात्रि स्पेशल थाली के अलावा व्रत रहने वाले भक्तों के लिए तमाम व्यंजन बिल्कुल हाइजीन तरीके से तैयार किए जा रहे हैं। यही वजह है कि इन दिनों यहां पर्यटकों के साथ ही श्रद्धालुओं की भीड़ और भी अधिक बढ़ गई है इन दिनों नवरात्रि स्पेशल थाली तैयार कराई जा रही है। जिसमें साबूदाना खिचड़ी, कुट्टू पूड़ी, आलू टमाटर की सूखी सब्जी, पनीर-काजू ग्रेवी सब्जी, साबूदाना वड़ा, साबूदाना खीर, फ्रूट सलाद, साबूदाना पापड़ और स्पेशल लस्सी होगी। इस स्पेशल थाली की कीमत सिर्फ 350 रुपए रखी गई है। जिसे यहां के सेफ और कर्मचारी पूरे हाइजीन तरीके से तैयार कर रहे हैं। ताकि, व्रत रहने वाले भक्तों को गोरखपुर के एक शानदार स्पॉट पर घूमने के साथ ही यहां शुद्ध लजीज फलाहार व्यंजनों का भी एक्सपीरिएंस मिल सके। व्रत के लिए इतने डिशेज स्पेशल थाली के अलावा भी अलग से यहां व्रत के लिए साबूदाना खिचड़ी, कुट्टू पूड़ी, सिंघाड़ा पूड़ी, आलू टमाटर की सूखी सब्जी, पनीर-काजू ग्रेवी सब्जी, साबूदाना वड़ा, साबूदाना खीर, सूजी हलवा, लौकी हलवा, लौकी खीर, फ्रूट सलाद, साबूदाना पापड़, रोस्टेड मखाना, तीन का चावल, प्लेन लस्सी, स्पेशल लस्सी, ड्राई फ्रूट लस्सी, नारियल पानी, फ्रेश फ्रूट जूस भी बेहद कम कीमत पर मिल रही है।

थाने से फरार नवरंगी पुलिस पकड़ से दूर

बस्ती। में लालगंज थाना से पुलिस अभिरक्षा से फरार नवरंगी पुलिस की पकड़ से दूर है। इसे लेकर वादी मुकदमा के परिजनों सहित बजरंग दल में काफी आक्रोश है। उनका आरोप है कि पुलिस ने ही थाने से नवरंगी को भगा दिया है, इसे लेकर बजरंगदल ने 25 सितंबर को थाने में धरना भी दिया था। धरने पर बैठे बजरंगदल के कार्यकताओं ने थाने के हेड मोहर्रिर पर केसरिया टीशर्ट पहनकर अभद्रता करने का आरोप भी लगाया था, जिसके चलते हेड मोहर्रिर को लाइन हाजिर कर दिया था गया था। थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिग बालिका को बहला फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में कोतवाली थाना क्षेत्र के रोडवेज निवासी नवरंगी गुप्ता पर लालंगज पुलिस ने बालिका के परिजनों की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया था। इसके बाद पुलिस ने नवरंगी को ढूंढना शुरू किया। 23 सितंबर की रात्रि में नवरंगी पकड़ा गया। उल्टी-पेट दर्द का बहाना करके बाहर आया 25 को पुलिस उन्हें न्यायालय में पेश करने वाली थी। इसी बीच 24 की रात्रि में नवरंगी ने पेट दर्द व उल्टी का बहाना बनाकर लॉकअप से बाहर आ गया और पुलिस को चकमा देते हुए फरार हो गया। तब से लेकर अब तक नवरंगी कहां हैं पुलिस इसका पता लगाने में जुटी है, लेकिन पुलिस के हाथ अभी भी खाली हैं। घटना को लेकर एसओ लालगंज सुनील कुमार गोंड ने बताया कि नवरंगी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है, जल्द ही उसकी गिरफ्तारी होगी।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

संतकबीरनगर। के धनघटा थाना क्षेत्र के गौरापार गांव के पूरब स्थित बाग में एक युवक का शव गुरुवार को ग्रामीणों ने महुआ के पेड़ से लटकता देखा। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक के पॉकेट में रखें पर्स में आधार कार्ड के आधार पर शव की शिनाख्त की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। युवक की पहचान सुशील यादव पुत्र गिरजेश (25) के रूप में हुई। पिता गिरजेश यादव ने बताया कि उनके बेटे से बुधवार की शाम 5:00 बजे तक बात हुई। उसके बाद मोबाइल पर घंटी बजती रही और मोबाइल नहीं उठा। रात 9:00 बजे मोबाइल बंद हो गया। पूरी रात लोग बेटे की तलाश में घूमते रहे। जब सूचना मिली तो लोग मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना पहुंचते ही उनके घर पर कोहराम मच गया और लोगों का रो-रो कर बुरा हाल है।युवक पुराने ट्रैक्टरों को खरीदने बेचने का काम करता था। शादी अभी दो माह पूर्व तय हुई है। थाना अध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है । तहरीर मिलने के बाद तथा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

क्विज प्रतियोगिता में सफल बच्चों को मिला प्रशस्ति पत्र

संवाददाता

कुशीनगर। हाटा ब्लाक संसाधन केंद्र पर राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तत्वावधान में जिज्ञासा आधारित शिक्षा वैज्ञानिक मनोवृति विकसित करने के लिए ब्लॉक के 34 संविलियन विद्यालय व पूर्व माध्यमिक विद्यालय के 100 बच्चों का क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।प्रतियोगिता का उद्घाटन कर खंड शिक्षा अधिकारी अमितेश कुमार ने कहा कि बच्चों में विज्ञान के प्रति सहज जिज्ञासा जाग्रति करने के लिए ऐसी प्रतियोगिताओं का होना जरूरी है। प्रतियोगिता में 25 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बच्चों को दितिय चरण में साक्षात्कार कराया गया। सफल छात्र पूर्व माध्यमिक विद्यालय महुइ अंशु, पूर्व माध्यमिक विद्यालय पिपरा रीता, पूर्व माध्यमिक विद्यालय अहिरौली तुलादास प्रियंका, पूर्व माध्यमिक विद्यालय भठही शिवांगी, पूर्व माध्यमिक विद्यालय बतरौली अंशिका को जिला स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए नामित किया गया। एआरएपी बिनोद कुमार शर्मा व दयानन्द धर द्विवेदी द्वारा संयुक्त रूप से प्रतियोगिता का सफल क्रियान्वयन किया गया। सफल प्रतिभागियों को खण्ड शिक्षा अधिकारी अमितेश कुमार डायट प्रवक्ता चन्द्रशेखर द्वारा मेडल्स और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पूर्व माशिसंअध्यक्ष देवानंद धर द्विवेदी, प्राशिसं अध्यक्ष राम दिनेश सिंह, बिपिन सिंह, शैलेष शाही, सुरेन्द्र सिंह, सुनील सिंह, अमित सिंह, मनिषा, ज्योति कुशवाहा, विजय श्रीवास्तव, गीता यादव आदि मौजूद रहे।

सिविल एक्सन एण्ड कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम के तहत दी जानकारी

संवाददाता

लखनऊ। 91 वीं वाहिनी, दुत कार्य बल एवं अवध रेल इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड के संयुक्त तत्वाधान में सिविल एक्सन एण्ड कम्युनिटी आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन बेसिक विद्यालय, चन्द्रावल में किया गया। जिसमें छात्र/छात्राओ को राष्ट्र निर्माण, सहभागिता एवं पुलिस व समाज के प्रति अपने कर्तव्यों के निवर्हन की जानकारी दी गयी।

आयोजन 91वीं वाहिनी, दुत कार्य बल के कमाण्डेंट जीतेन्द्र कुमार ओझा के मार्गदर्शन में किया गया। श्री ओझा ने कहा कि हमारी संस्कृति व परम्परा बहुत ही महान है। सेवा और सम्मान ही हमारी विरासत है। नैतिक और सांस्कारिक शिक्षा ग्रहण कर एक

सेवा और सम्मान ही हमारी विरासत है: कमाण्डेन्ट जितेंद्र ओझा

जिम्मेदार नागरिक बनना आप सभी बच्चों की जिम्मेदारी है। इसलिए माता, पिता, गुरु को सदैव सम्मान दें। जीवन में सदा खुश रहेंगे।इसी क्रम में बल द्वारा अन्तरराष्ट्रीय वृद्धा दिवस पर मंगलवार को कमाण्डेंट जीतेन्द्र कुमार ओझा एवं वाहिनी द्वारा वृद्धाश्रम, सरोजनी नगर, लखनउ मे उपस्थित बुजुर्गों से मुलाकात कर फल वितरित किया। उनकी समस्याओं को सुना। उनकी समस्या का यथाशीघ्र निष्तारण हेतु आश्वासन दिया। कार्यक्रम में श्रीमती चन्द्रप्रभा, प्रधानाध्यापिका बेसिक विद्यालय, चन्द्रावल एवं 91वीं वाहिनी, दुत्त कार्य बल के अधिकारी उप कमाण्डर आलोक कुमार, उप कमाण्डर योगेश पांडेय, उप कमाण्डर अरूण कुमार तिवारी, उप कमा० नजीर अफजल, उप कमा० लोकेश बाबू, सहा कमा० गौतम चन्द्र राय, सहा० कमा० हरीशंकर शुक्ल, निरीक्षक बिरेन्द्र सिंह, निरीक्षक शिवेन्द्र मणि त्रिपाठी व अन्य अधीनस्थ अधिकारी व जवान एवं अवध रेल इन्फा प्राइवेट लिमिटेड के श्री अपूर्वा हेजल (एजीएम) ने भाग लिया।

मिशन शक्ति में कार्यक्रम छात्राओं को दी गयी महिला सुरक्षा की जानकारी

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर कस्बे के सेंट जोसफ स्कूल में मिशन शक्ति के तहत पटहेरवा पुलिस ने कार्यक्रम आयोजित कर छात्राओं को महिला सुरक्षा के बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। छात्राओं को सम्बोधित करते हुए थानाध्यक्ष दीपक कुमार सिंह बताया कि शासन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा के लिए तमाम हेल्प लाइन जारी किए गए है। जिस पर सूचना देने पर पुलिस आपकी सहायता के लिए तत्काल मौके पर पहुंच जायेगी। उन्होने कहा कि आप को अपने गांव, स्कूल या रास्ते में कही भी किसी प्रकार की दिक्कत हो रही है या कोई परेशान कर रहा है तो तत्काल पुलिस को सूचना दें। आपकी पहचान को गोपनीय रखते हुए पुलिस आरोपी

से कड़ाई से निपटेगी।महिला आरक्षी निधि श्रीवास्तव ने बताया कि शासन द्वारा 1090, 112, 1098 आदि हेल्प नंबर जारी किए गए हैं। जिस पर आप कभी भी सूचना दे सकती हैं या थाने पहुंच कर भी महिला हेल्प डेस्क पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं।पुलिस तत्काल कार्यवाई प्रारंभ कर देगी। उन्होंने कहा कि इसके अलावे आप खुद में अपनी सुरक्षा की भावना को जागृत करें और सम्भव हो विद्यालय आते जाते समूह में चलें। कार्यक्रम का संचालन कवि मनंजय तिवारी निर्मल ने किया। विद्यालय के निदेशक सीओ जोस ने सभी के प्रति आभार प्रकट करते हुए छात्राओं को आत्म रक्षार्थ तैयार रहने का आह्वान किया।इस दौरान प्रधानाचार्य श्रीमती जेसी जोस, उपनिरीक्षक श्रवण कुमार, विशाल कुमार, दीवान वीरा यादव, फुलचंद चौधरी, रामबेलाश यादव, मुलायम यादव, पंकज गुप्ता, आरती श्रीवास्तव, शिक्षक अजय उपाध्याय सहित विद्यालय की छात्राएं मौजूद थी।

नयी दिशा द्वारा लाडले आर्य के जन्मोत्सव पर हुआ पौधरोपण

संवाददाता

कुशीनगर। नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु चलाये जा रहे पौधरोपण संग जन्मोत्सव अभियान के क्रम में गुरुवार की शाम को हाटा विकास खण्ड स्थित ग्राम सभा भठही बाबू में अमित शर्मा के पुत्र आर्य के प्रथम जन्मोत्सव पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संस्था सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने बताया कि बढ़ते प्रदूषण से मुक्ति हेतु लोगों को जागरूक कर पौधरोपण कराया जा रहा। उन्होंने जन्मदिन सहित जीवन के सभी महत्वपूर्ण अवसरों पर पौधरोपण कर यादगार बनाने की अपील किया। अमित शर्मा ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया। इस अवसर पर पेशकार गौड़, गोल्डन गौड़, अंकित गौड़, नयी दिशा उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र आदि उपस्थित रहे।

कुएं में मिला युवक का शव ग्रामीणों ने कहा- कुएं के पास ही सोता था

बस्ती। के वाल्टरगंज थाना क्षेत्र स्थित एक गांव के कुएं में 28 वर्षीय युवक का शव देख ग्रामीणों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। देखते ही देखते मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थाना क्षेत्र के भरौली बाबू गांव के कुंए में मिली युवक के शव की शिनाख्त गांव के ही 28 साल के मनील तिवारी की रूप में हुई। पुलिस के अनुसार कुछ ग्रामीणों का कहना है कि युवक नशे का आदी था। गुरुवार की रात्रि में वह कहीं से नशा करके आया होगा और कुएं पर सो गया। नशे की वजह से वह कुएं में गिर गया होगा। बताया रहा है कि युवक अभी अविवाहित था और वह अक्सर कुएं बैठा करता था। घटना को लेकर एसओ वाल्टरगंज मोतीचंद ने बताया कि सूचना पर पुलिस टीम गांव में पहुंची थी। ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकलवा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। परिजनों से पूछताछ की गई है। बताया कि शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की असली वजह सामने आएगी।

प्रशिक्षु एसडीएम/बीडियो ने बच्चों से पूछे सवाल, शिक्षक बन पढ़ाया

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। प्रशिक्षु उप जिलाधिकारी/बीडियो कसया प्रिंस कुमार द्वारा पूर्व माध्यमिक विद्यालय अन्धया का औचक निरीक्षण किया गया। विद्यालय में पठन पाठन और शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली। विद्यालय के बच्चों को एक शिक्षक की तरह पढ़ाया और प्रश्न पूछे, उत्तर पाकर खुश हुए। शुक्रवार को प्रशिक्षु उपजिलाधिकारी/बीडियो कसया प्रिंस कुमार विद्यालय अंध्या पहुंचे और बच्चों एवं प्रधानाध्यापक शैलेश कुमार त्रिपाठी से शैक्षणिक गतिविधियों के बारे में चर्चा की। प्रशिक्षु एसडीएम/बीडियो कुमार ने गणित में कुमारी ज्योति भारती, अलका कुशवाहा से सवाल पूछे, जिसका सही उत्तर पाकर शाबासी दी। कुमारी मीनाक्षी से हिंदी कविता व नीतीश कुमार यादव से अंग्रेजी के लोगों से संबंधित जानकारी ली। बच्चों से समुचित उत्तर से प्रसन्न हो बच्चों को प्रोत्साहित किया। विद्यालय के प्रांगण की स्वच्छता, हरित प्रांगण, विद्यालय कक्ष, बालक/ बालिका / विकलांग, शौचालय की स्वच्छता को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की और प्रधानाध्यापक श्री त्रिपाठी को बधाई भी दी। ग्राम पंचायत अधिकारी /एडियो समाज कल्याण- नीरज कुमार चतुवेर्दी ने सुंदर विद्यालय की भूरी भंरी प्रशंसा की और सहयोग करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रधान प्रतिनिधि प्रेम कुमार गोंड़, बैजनाथ सिंह, राकेश सिंह, मोहनलाल कुशवाहा, वाल्मीकि दुबे, रागिनी पांडेय के अलावा रसोईया राबड़ी देवी व अतवारी देवी के अलावा बच्चों में कुमारी रिंकी, पिंकी, चांदनी कुशवाहा, खुशी दुबे, राज खरवार, सबिया खातून तनु खरवार पवन कुशवाहा आदि लोग मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

अंत में प्रधानाध्यापक शैलेश कुमार त्रिपाठी ने सबका आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त समाचार

दक्षिणी ताइवान के अस्पताल में लगी आग, कम से कम आठ लोग झुलसे

ताइपेई, एजेंसी। तूफान से प्रभावित दक्षिणी ताइवान में गुरुवार की सुबह एक अस्पताल में आग लग गई। इस हादसे में कम से कम आठ लोग झुलस गए। यह आग पिंगटुंग काउंटी में लगी। यह क्षेत्र क्रैथॉन तूफान से बुरी तरह से प्रभावित है। तूफान के कारण यहां भूस्खलन की घटनाएं भी देखने को मिलीभारी बारिश और तेज हवाओं के कारण कुछ इलाके पूरी तरह से ठप हो गए। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। दर्जनों मरीजों को अस्पताल से बाहर निकालकर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। मरीजों को अस्पताल से निकालने और आग बुझाने में दमकलकर्मियों की सहायता के लिए पास के बेस से सैनिकों को तैनात किया गया था। ताइवान के अस्पताल में आग लगने से पहले मंगलवार को बैंकॉक में छात्रों और शिक्षकों को ले जा रही एक बस में आग लग गई। इस हादसे में 25 लोगों के मारे जाने की आशंका है। बस में 44 लोग सवार थे। यह लोग मध्य उथाई थानी प्रांत से बैंकॉक स्थित स्कूल जाने के लिए बस में सवार हुए थे, तभी दोपहर के करीब बस में आग लग गई। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो में पूरी बस आग में घिरी हुई दिखाई दे रही है। यहां तक कि सड़क पर खड़ी बस के बाहर काले धुएं का गुबार उठ रहा है। घटनास्थल पर मौजूद एक बचावकर्मी ने परिवहन मंत्री को बताया कि आग संभवत: एक टायर में विस्फोट होने और वाहन के सड़क के अवरोधक से टकराने के बाद लगी।

पाकिस्तान में इस वर्ष पोलियो के 26 मामले सामने आए

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की विशेष प्रतिनिधि आयशा रजा फारूक ने नये मामलों को पाकिस्तानी बच्चों के लिए ''चिंताजनक'' बताया और कहा कि उन्हें अभी भी एक ऐसी बीमारी से खतरा है जिससे आसानी से बचा जा सकता है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में पोलियो के दो नये मामले सामने आने के बाद इस साल देश में इस बीमारी के मामलों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। सिंध प्रांत के कराची पूर्व और सुजावल जिलों में इन नये मामलों की पुष्टि हुई है। इन मामलों के सामने आने के बाद देश में पोलियो वायरस के उन्मूलन के प्रयासों को झटका लगा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान में पोलियो उन्मूलन के लिए क्षेत्रीयप्रयोगशाला द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, ''कराची पूर्व और सुजावल से इस साल का यह पहला मामला है, जहां पर्यावरणीय नमूनों में हाल के महीनों में पोलियो वायरस की मौजूदगी देखी गई है। इससे पता चलता है कि यह समुदायों में फैल रहा है और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर खतरा पैदा कर रहा है।'' पोलियो उन्मूलन के लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की विशेष प्रतिनिधि आयशा रजा फारूक ने नये मामलों को पाकिस्तानी बच्चों के लिए ''चिंताजनक'' बताया और कहा कि उन्हें अभी भी एक ऐसी बीमारी से खतरा है जिससे आसानी से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा, ''पोलियो का कोई इलाज नहीं है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बार-बार टीकाकरण से बच्चों को इस ''भयानक'' बीमारी के प्रभावों से बचाया जा सकता है। उन्होंने अभिभावकों, सामुदायिक नेताओं और शिक्षकों से आग्रह किया कि वे सभी बच्चों का टीकाकरण कराने के लिए तत्काल कदम उठाएं।

मैक्सिको : ग्वाटेमाला सीमा के समीप सेना की गोलीबारी में छह प्रवासियों की मौत

ग्वाटेमाला, एजेंसी। ट्रक में सवार अन्य 17 प्रवासियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। उसमें कुल 33 प्रवासी सवार थे। आम तौर पर इसी इलाके से प्रवासियों की तस्करी की जाती है, जिन्हें अक्सर मालवाहक ट्रकों में भरकर ले जाया जाता है। मैक्सिको के ग्वाटेमाला की सीमा के समीप एक ट्रक पर सैनिकों की गोलीबारी में छह प्रवासियों की मौत हो गई। रक्षा विभाग ने बुधवार को यह जानकारी दी। विभाग के एक बयान के अनुसार, सैनिकों ने दावा किया कि जब सोमवार देर रात ट्रक और दो अन्य वाहन दक्षिणी राज्य चियापास में हुइक्सटला शहर के समीप उनके तैनाती स्थल के पास पहुंचे तो उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी।

म्यांमार ने 50 हजार से ज्यादा अवैध विदेशियों को निर्वासित किया

यांगून , एजेंसी। म्यांमार ने अक्टूबर 2023 से अगस्त 2024 तक 50 हजार से अधिक अवैध विदेशियों को निर्वासित किया है। सरकारी मीडिया ने बुधवार को बताया कि इस अवधि के दौरान 28 देशों और क्षेत्रों के कुल 54 हजार 433 व्यक्तियों को स्थापित प्रक्रियाओं के तहत निकाला गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने सरकारी समाचार पत्र मिरर के हवाले से बताया कि म्यांमार पुलिस फोर्स डे की 60वीं वर्षगांठ पर आयोजित एक समारोह में म्यांमार के स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन काउंसिल के अध्यक्ष मिन आंग ह्लाइंग ने कहा कि पांच पड़ोसी देशों के साथ बॉर्डर लायसंस ऑफिसेज (सीमा संपर्क कार्यालय) के नेटवर्क की स्थापना का उद्देश्य आगे की जानकारी प्राप्त करने और सीमा पार अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने समय पर सूचना साझा करने और आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाने के लिए बीएलओ की बैठकें आयोजित करने का भी आग्रह किया।

मरने से पहले इजरायल से समझौते पर सहमत था नसरल्लाह- लेबनान के मंत्री का दावा

बेरूत, एजेंसी। इजरायली हवाई हमले में मारा गया हिजबुल्लाह प्रमुख नसरल्लाह अपनी मौत से पहले इजरायल के साथ युद्धविराम चाहता था। लेबनान के विदेश मंत्री अब्दुल्ला बौ हबीब ने कहा है कि नसरल्लाह हवाई हमले में मारे जाने के कुछ दिन पहले ही युद्धविराम के लिए मान गए थे। उन्होंने कहा कि अपने युद्धविराम के इस फैसले के बारे में उन्होंने अमेरिकी और फ्रांसीसी प्रतिनिधियों को भी बता दिया था।

सीएनएन को दिए अपने इंटरव्यू में हबीब ने कहा कि हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह 21 दिनों के सीजफायर के लिए मान गए थे। लेबनानी संसद के स्पीकर नबीह बेरी ने नसरल्लाह से मुलाकात की थी, जिसमें उन्होंने जंग रोकने के लिए अपनी सहमति जताई थी। इसके बाद बेरी ने अमेरिकी और फ्रांसीसी प्रतिनिधियों को यह जानकारी दी थी कि हिजबुल्लाह युद्धविराम के लिए तैयार है। लेबनानी विदेशमंत्री ने यह दावा किया कि हमें यह सूचना मिली थी कि इजरायली प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी सीजफायर के लिए तैयार हैं, लेकिन बाद में उन्होंने अपना मन बदल लिया और हमारी जमीन पर हमला करना जारी रखा।

दरअसल, 27 सितंबर को हुए इस हमले के पहले न्यूयॉर्क में बाइडन और मैक्रों की मुलाकात हुई थी, जिसके बाद अमेरिका और उसके सहयोगियों ने मिलकर 25 सितंबर को 21 दिनों के सीजफायर को लेकर अपना प्लान रखा था। लेकिन नेतन्याहू ने इस प्लान को खारिज कर दिया और पूरी ताकत के साथ लड़ाई जारी रखने का आदेश दिया, विशेषज्ञों के मुताबिक पेजर और अन्य संचार संसाधनों में हुए विस्फोट के बाद हिजबुल्लाह बैकफुट पर था, नेतन्याहू नहीं चाहते थे कि उसे संभलने का कोई भी मौका दिया जाए। हमले के वक्त अपने दहियाह के खुफिया बंकर में था नसरल्लाह हबीब ने बताया कि हमले के वक्त नसरल्लाह दहियाह के दक्षिणी इलाके में एक बंकर में था उसी वक्त वह इजरायली हवाई हमले का शिकार हो गए। इससे पहले जब हिजबुल्लाह ने नसरल्लाह की मौत की पुष्टि की थी तो उनकी तरफ से यह नहीं बताया गया था कि नसरल्लाह की मौत का कारण क्या है। रॉयटर्स के मुताबिक उसके शरीर पर कोई घाव नहीं था, उसके शरीर को देखकर ऐसा लगता है कि विस्फोट की तीव्रता से अंदरूनी चोट की वजह से उसकी मौत हुई।

ईरान के सर्वोच्च नेता ने दी थी लेबनान छोड़ने की सलाह : रॉयटर्स ने बुधवार को एक रिपोर्ट में बताया था कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने इजरायली हमले में मारे जाने के कुछ दिन पहले ही नसरल्लाह को लेबनान से भाग जाने की चेतावनी दी थी। पेजर हमलों में हिजबुल्लाह के सदस्यों की मौत के बाद खामेनेई ने एक दूत के साथ नसरल्लाह को ईरान आने के लिए कहा था,जिसमें खुफिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा गया था कि इज़राइल के पास हिजबुल्लाह के भीतर गुर्गे थे और वह उसे मारने की योजना बना रहा था। ईरान के एक अधिकारी ने कहा कि खामेनेई ने दूत के रूप में एक वरिष्ठ ईरानी रिवोल्यूशनरी गार्ड कमांडर, ब्रिगेडियर जनरल अब्बास निलफोरुशान थे।

ईरान के परमाणु स्थलों पर इजराइली हमले का समर्थन नहीं करूंगा: जो बाइडन

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि जी-7 नेताओं ने 'ईरान द्वारा इजराइल पर किए गए हमले की स्पष्ट रूप से निंदा की' और बाइडन ने अमेरिका की ओर से 'इजराइल और उसके लोगों के प्रति पूर्ण एकजुटता और समर्थन' की बात दोहराई। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम से संबंधित स्थलों पर इजराइल के किसी हमले का समर्थन नहीं करेंगे। बाइडन से बुधवार को जब पूछा गया कि ईरान द्वारा मंगलवार को इजराइल पर लगभग 180 मिसाइल दागे जाने के बाद क्या वह इस तरह की जवाबी कार्रवाई का समर्थन करेंगे तो उन्होंने कहा, ''इसका जवाब 'ना' है।'' बाइडन ने यह टिप्पणी ऐसे समय की है जब उनके और जी-7 के अन्य नेताओं ने बुधवार को ईरान के खिलाफ नए प्रतिबंधों के समन्वय पर फोन पर चर्चा की थी। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि जी-7 नेताओं ने 'ईरान द्वारा इजराइल पर किए गए हमले की स्पष्ट रूप से निंदा की' और बाइडन ने अमेरिका की ओर से 'इजराइल और उसके लोगों के प्रति पूर्ण एकजुटता और समर्थन' की बात दोहराई। इस बीच, अमेरिकी प्रशासन ने संकेत दिया है कि उसने इजराइल से आग्रह किया है कि वह मंगलवार के मिसाइल हमले का जवाब देने में संयम बरते।

वन्यजीव संस्था ने दक्षिणी अफ्रीका में हाथियों को मारने के फैसले का किया विरोध

लुसाका, एजेंसी। जाम्बिया स्थित अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण निकाय अफ्रीकन रिवर्स ने दक्षिणी अफ्रीकी देशों में हाथियों को मारने की योजना का विरोध किया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार संगठन ने यह स्वीकार करते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन की घटनाओं का न केवल लोगों पर बल्कि वन्यजीवों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। कुछ दक्षिणी अफ्रीकी देशों द्वारा जंगली जानवरों को मारने का प्रस्ताव लाया जा रहा है,जो मानव और वन्यजीव कल्याण के लिए सही नहीं है। अफ्रीकन रिवर्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बॉबसन सिकला ने कहा, वन्यजीवों को मारने से पारिस्थितिक संतुलन बिगड़ जाएगा। पशुओं की आबादी कम होने के साथ टूरिज्म में भी घाटा होगा। सिकला ने आगे कहा, हमारा संगठन संबंधित सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ मिलकर सही उपायों को लागू करने के लिए तैयार है, जिससे 95 प्रतिशत हाथियों और अन्य वन्यजीवों को मारे जाने से बचाया जा सकेगा और सूखे से प्रभावित लगभग 60 प्रतिशत लोगों को भोजन भी मिल सकेगा। उन्होंने बताया कि अफ्रीकी रिवर्स ने इसके लिए 2024-2025 क्षेत्रीय परियोजना विकसित की है, जिसका उद्देश्य हाथियों और अन्य वन्यजीवों को बचाना है। इसके साथ ही दक्षिणी अफ्रीकी क्षेत्र में जलवायु-जनित भूख से जूझ रहे लोगों को भोजन उपलब्ध कराना है। सिकाला ने बताया कि इस परियोजना के जरिए मनुष्यों और वन्य जीवों के लिए उपयुक्त राहत खाद्य पैकेजों के वितरण के साथ प्रभावित क्षेत्रों में जानवरों को पानी की आपूर्ति देने के साथ प्रभावित संरक्षित पार्कों में बोरहोल खोदने और बांध बनाने के लिए देशों को सहायता प्रदान करना शामिल है।

पोप फ्रांसिस ने कैथोलिक गिरजाघर में सुधार के दूसरे चरण की शुरुआत की, महिलाओं की भूमिका पर ध्यान केंद्रित

रोम , एजेंसी। पोप फ्रांसिस ने कैथोलिक गिरजाघर में व्यापक सुधार से जुड़ी परियोजना के दूसरे चरण की शुरुआत की, जिसमें गिरजाघर में महिलाओं को अधिक जिम्मेदारी वाले पद सौंपने का व्यापक आह्वान किया गया है। पोप फ्रांसिस ने सेंट पीटर्स स्क्वायर में 368 बिशप और आम लोगों के साथ एक प्रारंभिक धर्म सभा की अध्यक्षता की। ये सभी लोग गिरजाघर के भविष्य पर चर्चा करने और इसे मौजूदा समय में कैथोलिक की जरूरतों के प्रति अधिक उत्तरदायी बनाने के लिए अगले तीन सप्ताह तक बैठकें करेंगे। पिछले साल धर्मसभा के पहले सत्र के दौरान विरोध और आपत्तियों का सामना करने के बाद, कई सबसे विवादास्पद मुद्दे आधिकारिक तौर पर चर्चा से बाहर हो गए हैं। इनमें एलजीबीटीक्यू+ को पद सौंपे जाने और महिलाओं को डीकन के रूप में सेवा करने की अनुमति देने जैसे मुद्दे शामिल हैं। पोप फ्रांसिस ने इन विषयों को 10 अध्ययन समूहों को सौंपा है जो धर्मसभा के समानांतर काम कर रहे हैं। इन मुद्दों को अध्ययन समूहों को सौंपे जाने के बाद यह सवाल उठ रहा है कि जब 26 अक्टूबर को यह धर्मसभा समाप्त होगी और अंतिम प्रस्तावों को फ्रांसिस के समक्ष विचार के लिए पेश किया जाएगा, तो वास्तव में इसमें क्या निकलकर आएगा। फ्रांसिस ने 2021 में सुधार प्रक्रिया शुरू की थी, ताकि एक ऐसा गिरजाघर बनाने के अपने लक्ष्य को अमल में लाया जा सके जो अधिक समावेशी हो।

ट्रम्प के उप-राष्ट्रपति उम्मीदवार जेडी वेंस ने जीती डिबेट

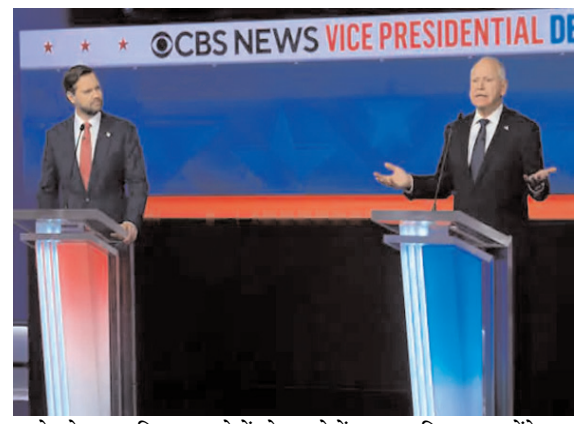

कहा- ट्रम्प की वजह से दुनिया में शांति आई थी, दोनों ने इजराइल का समर्थन किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले बुधवार (भारतीय समय के मुताबिक) को उपराष्ट्रपति उम्मीदवारों के बीच बहस हुई। डेमोक्रेटिक उम्मीदवार टिम वॉल्ज और रिपब्लिकन कैंडिडेट जेडी वेंस ने 90 मिनट तक डिबेट की। डिबेट सीबीएस न्यूज ने आयोजित कराई थी।

डिबेट के बाद हुए पोल्स में डोनाल्ड ट्रम्प के साथी उम्मीदवार जेडी वेंस को जीता बताया गया। ष्टक्र्स-यूगॉव पोल के मुताबिक 42% लोगों ने वेंस को डिबेट का विजेता माना है। वहीं, 41% लोगों ने माना कि टिम वॉल्ज की जीत हुई। 17% लोगों ने माना कि मुकाबला बराबरी पर रहा।

BBC के मुताबिक वॉल्ज की शुरुआत अच्छी नहीं रही, लेकिन बाद में उन्होंने अच्छा कमबैक किया। वहीं, कई एक्सपर्ट्स ने कहा कि रिपब्लिकन उम्मीदवार वेंस ने सीधे शब्दों में अपनी बातें रखीं। उन्होंने वॉल्ज के वादों को लेकर कहा कि अभी डेमोक्रिटक पार्टी की सरकार है। वे जो वादे कर रहे हैं वो उन्हें इस कार्यकाल में पूरा कर सकते थे। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए 5 नवंबर को चुनाव हैं। दोनों प्रमुख पार्टियों की ये आखिरी डिबेट थी। राष्ट्रपति पद के लिए अब तक दो डिबेट हो चुके हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन पहली बहस के बाद रेस से बाहर हो गए थे। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने उनकी जगह ली और ट्रम्प के साथ दूसरी बहस में हिस्सा लिया था।

डिबेट से पहले दोनों ने हाथ मिलाया ट्रम्प और बाइडेन के उलट दोनों ही दलों के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों ने बहस से पहले एक-दूसरे से हाथ मिलाया। दोनों ने मिडिल ईस्ट संकट, अमेरिकी इकोनॉमी, अबॉर्शन, हेल्थ केयर, इमिग्रेशन, गन वॉयलेंस, क्लाइमेट चेंज जैसे मुद्दों पर बहस की।

डिबेट के दौरान डेमोक्रेट नेता वॉल्ज ने ट्रम्प की ज्यादा उम्र पर भी लोगों का ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि 80 साल के ट्रम्प असली मुद्दे पर ध्यान देने की बजाय भीड़ जुटाने पर ध्यान देते हैं। डिबेट के दौरान दोनों पार्टी के नेताओं ने एक-दूसरे की आलोचना करने के बजाय राष्ट्रपति उम्मीदवारों की आलोचना की।

दोनों उम्मीदवारों ने इजराइल का समर्थन किया डिबेट की शुरुआत मिडिल ईस्ट संकट से हुई। मिनिसोटा गवर्नर वॉल्ज ने कहा कि अमेरिका को मिडिल ईस्ट में अपनी मौजूदगी बनाए रखनी चाहिए और इजराइल के साथ खड़ा रहना चाहिए। डेमोक्रेटिक नेता ने कहा कि कमला हैरिस अपने साथी देशों की अहमियत समझती हैं, जबकि डोनाल्ड ट्रम्प का अपने सहयोगी देशों को मदद करने का रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है।

इसके जवाब में रिपब्लिकन उम्मीदवार वेंस ने कहा कि वॉल्ज के ये आरोप बेबुनियाद हैं। जब ट्रम्प राष्ट्रपति थे तो उन्होंने इजराइल का काफी साथ दिया था। वेंस ने कहा कि हमें अपने सहयोगियों की मदद करनी चाहिए चाहे वे कहीं भी कितनी भी बुरी हालत में क्यों न हों।

सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व मंत्री को 12 महीने की जेल, भ्रष्टाचार के आरोप में ठहराए गए थे दोषी

सिंगापुर, एजेंसी। सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व परिवहन मंत्री एस. ईश्वरन को गुरुवार को हाईकोर्ट ने 12 महीने की जेल की सजा सुनाई है। उन्हें लोक सेवक के तौर पर अपने दो व्यापारी मित्रों से सात साल में 403,300 सिंगापुर डॉलर मूल्य के उपहार लेने के आरोप में दोषी पाया गया था। 24 सितंबर को उन्हें उपहार लेने और न्याय को अवरुद्ध करने के चार मामलों में 62 वर्षीय ईश्वरन को दोषी दोषी ठहराया गया था। सजा सुनाने के दौरान जज विंसेंट हूंग ने कहा कि उन्होंने अभियोजन और बचाव पक्ष दोनों की ओर से सजा पर विचार किया, लेकिन वे दोनों स्थितियों पर सहमत होने में असमर्थ रहे। जज ने बताया कि पूर्व मंत्री ने उपहार लेकर अपने पद का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि ईश्वरन ने सार्वजनिक बयान देकर इन आरोपों को झूठा बताया था। जज ने आगे कहा, प्रधानमंत्री को भेजी गई चिट्ठी में ईश्वरन ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए इसे झूठ बताया। उन्हें विश्वार था वे रिहा हो जाएंगे। जस्टिस ईश्वरन ने कहा, लोक सेवक के तौर पर पद जितना ऊंचा होगा, दोषी होने का स्तर भी उतना ही ऊंचा होगा। ईश्वरन के वकील दविंदर सिंह ने आठ महीने से अधिक की सजा न देने की दलीली दी थी। डिप्टी अटर्नी जनरल ताई वी शियोंग ने छह से सात महीने की सजा की मांग की। ईश्वरन के वकीलों ने सजा को सात अक्तूबर तक के लिए टालने और उन्हें उसी दिन शाम चार बजे अदालत में आत्मसमर्पण करने की मांग की। ईश्वरन के पास से बरामद किए गए सामान ईश्वरन पर थिएटर शो, फुटबॉल मैच और सिंगापुर एफ1 ग्रैंड प्रिक्स, व्हिस्की, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों और होटल में ठहरने समेत कीमती सामानों से संबंधित आरोप हैं। इसमें शामिल राशि स्त्रष्ठ 400,000 (स्ढ 300,000 से अधिक) से अधिक है। उसके पास से व्हिस्की और वाइन की बोतलें, गोल्फ क्लब और एक ब्रॉम्पटन साइकिल भी जब्त की गई। ईश्वरन के आरोप प्रॉपर्टी टाइकून ओंग बेंग सेंग और कंस्ट्रक्शन फर्म के मालिक लुम कोक सेंग के साथ उसके संबंधों से संबंधित हैं। हालांकि दोनों व्यवसायियों पर आरोप नहीं लगाए गए हैं। संशोधित किए गए दो आरोपों में ओंग शामिल हैं, जो उस समय सिंगापुर जीपी के बहुसंख्यक शेयरधारक थे। संशोधित आरोपों में यह भी कहा गया है कि ईश्वरन को पता था कि सिंगापुर जीपी के माध्यम से ओंग सुविधा के प्रदर्शन से संबंधित था। सिंगापुर एफ1 ग्रैंड प्रिक्स 2022 से 2028 के लिए सिंगापुर जीपी और सिंगापुर पर्यटन बोर्ड (एसटीबी) के बीच समझौता, और यह ईश्वरन के मंत्री और एफ1 संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में आधिकारिक कार्यों से जुड़ा था। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मूल आरोपों में कहा गया था कि ईश्वरन ने भ्रष्ट तरीके से ओंग से ये उपहार प्राप्त किए, और ऐसा ओंग के व्यावसायिक हितों को आगे बढ़ाने के बदले में किया।

कट्टरपंथी इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक की पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से हुई मुलाकात

इस्लामाबाद, एजेंसी। कट्टरपंथी इस्लामिक धर्म उपदेशक जाकिर नाइक ने बुधवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की। मुलाकात की तस्वीरें भी सामने आई हैं। जिसमें दोनों के चेहरे पर दिख रही मुस्कुराहट बहुत कुछ बयां कर रही है।

बता दें कि जाकिर नाइक सोमवार को पाकिस्तान पहुंचा, जहां उसका जोरदार स्वागत किया गया। वहां उसे जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा मुहैया कराई गई है। उसकी सुरक्षा में पाकिस्तानी रेंजर्स भी तैनात किए गए हैं। वह 28 अक्टूबर तक पाकिस्तान में ही रहेगा। जहां वो कराची, इस्लामाबाद और लाहौर में धार्मिक उपदेश देगा। इस बीच, पाकिस्तान में जाकिर ने भारत में गोमांस को लेकर जारी बहस पर भी अपनी बात रखी।

जाकिर ने कहा, गोमांस खाना फर्ज (धार्मिक संस्कार) नहीं है। ऐसी स्थिति में अगर गोमांस के विरोध में कानून लाया जाता है, तो मुसलमानों को उसका सम्मान करना चाहिए। इस्लामिक शरीयत भी यही हिदायत देती है कि आप जिस मुल्क में रहते हैं, वहां के कानून का पालन करें, जब तक वो कानून अल्लाह के खिलाफ ना हो। मिसाल के तौर पर अगर किसी मुल्क में यह कानून लागू किया जाता है कि आप नमाज अता नहीं कर सकते हैं, तो ऐसी स्थिति में आपको उस कानून का पालन नहीं करना चाहिए, क्योंकि इस्लाम में नमाज पढ़ना फर्ज है। लेकिन, यहां गौर करने वाली बात है कि इस्लाम में गोमांस खाना फर्ज नहीं है, तो ऐसे में अगर कोई कानून इसके विरोध में आता है, तो आप उसका पालन कीजिए। इसमें कोई हर्ज नहीं है। जाकिर नाइक ने पाकिस्तान में कहा किगोमांस पर प्रतिबंध एक राजनीतिक मुद्दा है क्योंकि इसे हिंदू भी खाते हैं, वो नॉनवेज भी खाते हैं, मटन भी खाते हैं, बीफ (गौमांस) भी खाते हैं, यह उनकी किताबों में लिखा हुआ है। उन्होंने आगे कहा, गोमांस एक राजनीतिक मुद्दा है। यह कई राज्यों में प्रतिबंधित है। कई देशों में कानून है कि अगर आप गोमांस खाएंगे, तो आपको पांच साल की सजा होगी। सोचिए, अगर आप किसी लड़की के साथ छेड़छाड़ करते हैं, तो आपको तीन साल की सजा होती है, लेकिन अगर आप गोमांस खाते हैं, तो आपको पांच साल की होगी। यह तर्क मुझे समझ में नहीं आता है।

100 नवजात बच्चों का नाम रखा नसरल्लाह, इराक में हिजबुल्लाह चीफ को खास सम्मान

दमिश्क, एजेंसी। हाल ही में लेबनान में एक इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह के नेता हसन नसरल्लाह की मौत के बाद, इराक में नवजात बच्चों के नाम नसरल्लाह रखने का एक नया चलन देखने को मिला है। इराक के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, देश भर में लगभग 100 बच्चों का नाम नसरल्लाह रखा गया है। नसरल्लाह पिछले तीन दशकों से आतंकी संगठन हिजबुल्लाह का नेतृत्व कर रहा था। उसे कई लोगों द्वारा इजरायली और पश्चिमी प्रभाव के खिलाफ प्रतिरोध का प्रतीक माना जाता था। उनकी लोकप्रियता इराक में विशेष रूप से देश के अधिकांश शिया समुदाय के बीच मजबूत थी।

अब इराक के लोग नसरल्लाह की याद में अपने बच्चों का नाम भी नसरल्लाह ही रख रहे हैं। लोगों का कहना है कि वे ऐसा प्रतिरोध के शहीद के सम्मान में कर रहे हैं। नसरल्लाह की हत्या ने इराक में गुस्से की लहर पैदा कर दी, जिसके परिणामस्वरूप बगदाद और अन्य शहरों में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने इजरायल की कार्रवाई की निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया। इराक के प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने नसरल्लाह को धर्म के मार्ग पर एक शहीद बताया। हिजबुल्लाह नेता की याद में तीन दिन का राजकीय शोक मनाया गया, जिसमें देश भर में श्रद्धांजलियां आयोजित की गईं।

नसरल्लाह का इराक से गहरा संबंध है, जो धार्मिक और राजनीतिक विचारधाराओं से जुड़ा है। उसका जन्म 1960 में साधारण परिवार में हुआ था, और उसने इराक के नजफ शहर में एक शिया सेमिनरी में इस्लाम की पढ़ाई की थी। यहीं पर उसके राजनीतिक विचारों ने आकार लिया। 1982 में इजरायल के लेबनान में आक्रमण के बाद, हिजबुल्लाह का जन्म हुआ और नसरल्लाह इसमें शामिल हुआ। इस समूह की स्थापना ईरान की क्रांतिकारी गार्ड्स के समर्थन से की गई थी, जो प्रारंभ में इजरायली बलों के खिलाफ एक मिलिशिया के रूप में कार्यरत था।

1992 में अपने पूर्ववर्ती और गुरु अब्बास मुसावी की हत्या के बाद नसरल्लाह ने हिजबुल्लाह का नेतृत्व संभाला। अगले तीन दशकों में, उसने इस समूह को एक क्षेत्रीय शक्ति में बदल दिया, जो सीरिया से यमन तक के संघर्षों पर प्रभाव डाल रहा था और गाजा में फलस्तीनियों को प्रशिक्षण दे रहा था। नसरल्लाह के नेतृत्व में, हिजबुल्लाह की शक्ति ने सैन्य और राजनीतिक दोनों स्तरों पर वृद्धि की। इस संगठन ने हमास जैसे समूहों और इराक और यमन में मिलिशियाओं को मिसाइलें और रॉकेट प्रदान किए, जो इजरायल और उसके सहयोगियों के खिलाफ एक व्यापक प्रतिरोध का धारा का हिस्सा थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अभिनेता गोविंदा अस्पताल से हुए डिस्चार्ज, प्रशंसकों का किया धन्यवाद

मुंबई। अभिनेता और शिवसेना नेता गोविंदा को शुक्रवार को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया। गोविंदा एक हादसे का शिकार हो गए थे, जिसमें उनकी अपनी रिवॉल्वर से उनके पैर में गोली लग गई थी। अस्पताल में भर्ती होने के बाद गोविंदा की हालत स्थिर बनी रही, और उन्हें चिकित्सकों ने उपचार दिया। अस्पताल में रहते हुए उन्होंने अपने स्वास्थ्य के प्रति चिंता व्यक्त की और प्रशंसकों की प्रार्थनाओं के लिए आभार प्रकट किया है। अस्पताल से बाहर आते समय गोविंदा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि मैं सभी को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मेरे लिए दुआएं कीं। विशेष रूप से अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने मेरे लिए इतनी दुआएं कीं। उनके प्यार के लिए मैं तहे दिल से उनका शुक्रगुजार हूं। गोविंदा को लेकर उनके प्रशंसक बहुत चिंतित थे । अब वह ठीक हैं और डॉक्टरों ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। प्रशंसकों ने उनके जल्द ठीक होने की कामना की है और सोशल मीडिया पर उन्हें समर्थन में संदेश भेजे हैं।

एल्विश यादव और कॉमेडियन भारती सिंह हाजिर हों... दिल्ली पुलिस ने किया तलब

मुंबई । बिग बॉस ओटीटी-1 विजेता और मशहूर यूट्यूबर एल्विश यादव के साथ-साथ कॉमेडियन भारती सिंह को दिल्ली पुलिस ने तलब किया है। पुलिस इन दोनों के अलावा तीन अन्य व्यक्तियों से भी जानकारी जुटाएगी। दिल्ली पुलिस को हिबॉक्स नामक एक मोबाइल एप्लिकेशन से जुड़ी 500 से अधिक शिकायतें मिली हैं, इसमें इन्फ्लुएंसर्स और यूट्यूबर्स पर आरोप लगाया गया है कि उन्होंने एप्लिकेशन का प्रचार कर लोगों को इसमें निवेश के लिए प्रेरित किया। घोटाले के मुख्य आरोपी, चेन्नई निवासी शिवराम, को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी के अनुसार, हिबॉक्स एक सुनियोजित घोटाले का हिस्सा था, जिसमें आरोपी ने एप के द्वारा प्रतिदिन 1 से 5 प्रतिशत और महीने में 30 से 90 प्रतिशत तक के गारंटीशुदा रिटर्न का वादा किया। फरवरी 2024 में लांच होने के बाद, 30,000 से अधिक लोगों ने एप में पैसे का निवेश किया। हालांकि, जुलाई माह में एप ने विभिन्न तकनीकी और कानूनी मुद्दों का हवाला देकर भुगतान रोक दिया। पुलिस ने मास्टरमाइंड शिवराम के चार अलग-अलग बैंक खातों से 18 करोड़ रुपये जब्त किए हैं, जो घोटाले की गंभीरता को दिखाता है। इसके पहले, भारती और उनके पति हर्ष लिम्बाचिया को साल 2020 में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने गिरफ्तार किया था, जब उनके घर से 86.5 ग्राम गांजा बरामद हुआ था। वहीं, एल्विश यादव पिछले दिनों विवादों में रहे हैं, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उनकी करोड़ों रुपये की संपत्तियां जब्त की थीं।

सोमनाथ मंदिर के आसपास बुलडोजर कार्यवाही पर सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार मांगा जवाब

अहमदाबाद । सुप्रीम कोर्ट ने सोमनाथ मंदिर के आसपास अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही को लेकर गुजरात सरकार से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर हमारे आदेश की अवमानना की गई है तो अधिकारियों को जेल जाना पड़ेगा। साथ ही अगर बुलडोजर की कार्यवाही गलत पाई गई तो सरकार को उसे दोबारा बनवाना होगा। बता दें कि गिर सोमनाथ स्थित सोमनाथ मंदिर के आसपास के अतिक्रमणों पर प्रशासन ने बुलडोजर कार्यवाही की थी। प्रशासन की इस कार्यवाही के खिलाफ पटणी मुस्लिम जमात ने सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की थी। जिसमें सुप्रीम कोर्ट के 17 सिंबर के आदेश की अवमानना करने का उल्लेख किया गया था। साथ ही गिर सोमनाथ के कलेक्टर और अन्य अधिकारियों के खिलाफ अवमानना की कार्यवाही करने की मांग की गई थी। इसी याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर हमारे आदेश की अवमानना हुई होगी तो हम उसे पुनर्स्थापित करने का आदेश देंगे। साथ ही जिम्मेदार अधिकारियों को जेल भी भेजेंगे। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता की यथास्थिति बनाए रखने की मांग खारिज कर दी। सुनवाई के दौरान गुजरात सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह सरकार की जमीन है और इस पर कार्यवाही का काम 2023 से चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में गुजरात सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले पर अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी।

बाप रे बाप.... अक्टूबर में राजस्थान में पारा 41 के पार

-14 साल में दूसरी बार हुआ

जयपुर । राजस्थान में मानसून जाने के बाद गर्मी बढ़ने लगी है। गंगानगर में गुरुवार को दिन का अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। ऐसा पिछले 14 साल में दूसरी बार हुआ है, जब तापमान अक्टूबर में 40 के पार चला गया हो। जयपुर, पिलानी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर सहित कई शहरों में मौसम साफ रहने, धूप निकलने से गर्मी तेज हो गई। मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर की ओर से अगले 2 दिन राज्य में मौसम शुष्क रहने का अनुमान जताया है। मौसम विशेषज्ञों के दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान (उदयपुर, जालौर के आसपास) के ऊपर एक एंटी साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। इस कारण पश्चिमी हिस्से (पाकिस्तान की तरफ) से सूखी और गर्म हवा आ रही है। इसके कारण राज्य के कुछ हिस्सों में अगले कुछ दिन में तापमान में थोड़ी और बढ़ोतरी हो सकती है।

हरियाणा में बढ़ती बेरोजगारी को लेकर राहुल गांधी ने साधा भाजपा पर निशाना, बोले- 2 लाख पक्की नौकरियां देगी कांग्रेस सरकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को अपने एक्स पोस्ट के जरिए हरियाणा में बढ़ती बेरोजगारी, अपराध और नशीली दवाओं से संबंधित मुद्दों के लिए भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने विजय संकल्प यात्रा के दौरान लोगों के साथ अपने अनुभव और बातचीत साझा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% का सहारा लिया। उन्होंने यह आरोप भी लगाया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा फैलाई गई बेरोज़गारी की बीमारी ने हरियाणा की जड़ों, युवाओं के भविष्य और प्रदेश की सुरक्षा को गहरे संकट में डाल दिया है।

राहुल ने हरियाणा के निवासियों के साथ अपनी बैठकों का विवरण दिया, जिन्होंने अपनी यात्रा के दौरान घर की बनी रोटियाँ साझा कीं और उन्हें राज्य की जटिल समस्याओं के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि भाजपा की फैलाई बेरोज़गारी की बीमारी ने हरियाणा की जड़ों, युवाओं के भविष्य और प्रदेश की सुरक्षा को गहरे संकट में डाल दिया है। हरियाणा की कुछ बहनों ने विजय संकल्प यात्रा के दौरान आश्रय दिया, बहुत प्यार से घर की रोटी खिलाई और साथ ही प्रदेश की जटिल समस्याएं समझाईं। आज, भारत में सबसे अधिक बेरोज़गारी हरियाणा में है। इसका कारण है - भाजपा ने एक दशक में प्रदेश के युवाओं को रोज़गार देने वाली हर प्रणाली की रीढ़ तोड़ दी है।

राहुल ने अपने पोस्ट में दावा किया कि गलत तरह और नोटबंदी से छोटे व्यापारों की कमर तोड़ दी। अग्निवीर से सेना की तैयारी करने वाले युवाओं का हौंसला तोड़ा। काले कानूनों से कृषि व्यापार करने वालों की हिम्मत तोड़ी। इसके साथ ही उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि खिलाड़ियों से समर्थन छीनकर उनका सपना तोड़ा। परिवार पहचान पत्र से सरकारी भर्ती रोककर परिवारों को तोड़ा। इसका असर बताते हुए उन्होंने कहा कि नशे के गिरफ्त में युवा हुनर बर्बाद हो रहा है। निराश नौजवान अपराध की राह पकड़ रहे हैं। डंकी जैसे खतरों के सफर से तबाह होते परिवार। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में आने वाली कांग्रेस सरकार 2 लाख पक्की नौकरियों की भर्ती करेगी और हरियाणा को नशा मुक्त बनाएगी। हरियाणा की बहनों को वचन दिया है कि इस तबाही को रोकूंगा, उनके बच्चों की रक्षा करूंगा - रोज़गार वापस आएगा, और हर परिवार खुशहाल होगा।

बेंगलुरु के तीन इंजीनियरिंग कॉलेजों को ईमेल से मिली बम की धमकी, हाई अलर्ट पर पुलिस

बेंगलुरु। बेंगलुरु के तीन इंजीनियरिंग कॉलेजों को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिससे परिसर में दहशत फैल गई। पुलिस ने कहा कि धमकियों की सूचना शुक्रवार दोपहर को दी गई, जो बाद में अफवाह निकली। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बसवनगुडी में बेंगलुरु इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और सदाशिवनगर में एमएस रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को दोपहर करीब 1 बजे ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली। जल्द ही, कॉलेज प्रबंधन ने पुलिस को सूचित किया, जो बम निरोधक और डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंची। गहन जांच के बाद पुलिस इस नतीजे पर पहुंची कि यह एक फर्जी ईमेल था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण डिवीजन) लोकेश बी जगलासर ने एक बयान में कहा कि (मेल के) स्रोत का पता लगाने के लिए हनुमंत नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। मामले की जानकारी जैसे ही अभिभावकों को हुई तो वे अपने बच्चों की सुरक्षा के बारे में जानकारी लेने के लिए कॉलेजों के सामने जमा हो गए।

जेलों में जातिगत भेदभाव पर रोक जरूरी : मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमों मायावती ने सोशल मीडिया पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया है, जिसमें जेलों में जातिगत भेदभाव को अनुचित और असंवैधानिक बताया गया है। उन?होंने सोशल मीडिया एक?स पर पोस?ट किया कि देश की जेलों में भी क्रूर जातिवादी भेदभाव के तहत कैदियों से जातियों के आधार पर उनमें काम का बंटवारा कराने को अनुचित व असंवैधानिक करार देकर इस व्यवस्था में जरूरी बदलाव करने का माननीय सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भरपूर स्वागत। परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के जातिविहीन मानवतावादी व धर्मपिरपेक्ष संविधान वाले देश में इस प्रकार की जातिवादी व्यवस्था का जारी रहना यह साबित करता है कि सरकारों का रवैया संवैधानिक न होकर लगातार जातिवादी है। अत: मजलूमों के लिए अब सत्ता प्राप्त करना जरूरी। उन?होंने आगे लिखा कि परमपूज्य बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर के जातिविहीन मानवतावादी व धर्मपिरपेक्ष संविधान वाले देश में इस प्रकार की जातिवादी व्यवस्था का जारी रहना यह साबित करता है कि सरकारों का रवैया संवैधानिक न होकर लगातार जातिवादी है।

पीएम मोदी ने 10 वर्षों में किसानों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की : तरुण चुघ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 10 वर्षों में किसानों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं, इन पहल का मुख्य उद्देश्य किसानों के जीवन में सुधार लाकर उनकी आय बढ़ाना है। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव चुघ ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने गरीब, युवा, महिला और किसान जैसे चार महत्वपूर्ण वर्गों को प्राथमिकता दी है। उन्होंने हाल ही में की गई घोषणाओं के माध्यम से इन वर्गों के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया। चुघ ने कहा कि किसानों के प्रति पीएम मोदी का समर्पण कृषि विकास योजना और कृषि उन्नति योजना जैसी पहलों में दिखाई देता है। ये योजनाएँ ऐतिहासिक और सराहनीय कदम हैं। उन्होंने बताया कि इन योजनाओं के तहत 1 लाख करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत हुआ है, जो फसल की कीमतों, उत्पादन क्षमता और गुणवत्ता को बेहतर बनाएगा।

दरअसल 3 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में किसानों को व्यापक स्तर पर लाभ पहुँचाने के लिए दो महत्वपूर्ण योजनाओं को मंजूरी दी गई। पहली योजना है पीएम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और दूसरी कृषि उन्नति योजना। इन योजनाओं को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए केंद्र ने 1,321 करोड़ खर्च करने का निर्णय लिया है। मोदी सरकार का मानना है कि इन योजनाओं के लागू होने से किसानों को आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण लाभ होगा। इसके साथ ही, नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल को भी मंजूरी दी गई है, जिसके लिए 10,103 करोड़ रुपये का बजट तय किया गया है। केंद्र ने 2031 तक खाद्य तेल उत्पादन को 20.2 मिलियन टन बढ़ाने का लक्ष्य रखा है।

टीएमसी के गुड़ों ने पूर्व सांसद सिंह के घर पर फेंके देशी बम: शुभेंदु अधिकारी

कोलकाता (एजेंसी)। बैरकपुर के पूर्व सांसद अर्जुन सिंह के भाटपाड़ स्थित आवास पर अज्ञात हमलावरों ने देशी बम से हमला किया। घटना के बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने ममता सरकार की पुलिस की निष्क्रियता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस पार्टी पर हमले का आरोप लगाया है। वीडियो में हमलावरों की भीड़ को एक घर की ओर बम फेंककर भागते हुए देखा जा सकता है, और यह फुटेज उसी घर की छत से शूट हुआ है।

अर्जुन सिंह ने पोस्ट कर लिखा कि सुबह, जब सभी नवरात्रि की पूजा में व्यस्त थे, तब टीएमसी के गुंडों ने मेरे कार्यालय-सह-निवास पर हमला किया। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय टीएमसी पार्षद के बेटे नमित सिंह के संरक्षण में हमला हुआ और पुलिस ने मूकदर्शक बनकर कुछ नहीं किया। पूर्व सांसद ने बताया कि हमलावरों ने करीब 15 बम फेंके और एक दर्जन से अधिक राउंड गोलियां चलाईं।

बीजेपी नेता अधिकारी ने राज्य के राज्यपाल, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, गृह मंत्रालय और भाजपा पार्टी को टैग कर कहा, हमेशा की तरह पुलिस मूकदर्शक बनी रही और अपराधियों को रोकने के लिए कुछ खास नहीं किया। वीडियो फुटेज अपराधियों की पहचान करने के लिए पर्याप्त है। उन्होंने उम्मीद जाहिर की कि बंगाल पुलिस इस मामले में सक्रियता दिखाकर आरोपियों को गिरफ्तार करेगी।

हमले के बाद, पूर्व सांसद सिंह ने एक दूसरा वीडियो भी साझा किया, जिसमें कई लोग उनके घर पर कुछ फेंकते दिख रहे हैं। घटना ने पश्चिम बंगाल में राजनीतिक तनाव को और बढ़ा दिया है, और इससे साफ है कि राज्य की सुरक्षा स्थिति पर सवाल उठ रहे हैं।

कुमारी शैलजा को अब भी मुख्यमंत्री पद की आस, मगर कांग्रेस तय कर चुकी है भूपेंद्र हुड्डा का नाम ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस में चल रही आंतरिक कलह के बीच पार्टी की राज्य में सबसे बड़ी दलित नेता और सांसद कुमारी शैलजा ने दावा किया है कि अगर राज्य में पार्टी सरकार बनती है। तो, मुख्यमंत्री पद का फैसला पार्टी आला कमान करेगा। हालांकि, उनके इस बयान में ज्यादा उम्मीद नजर नहीं आ रही है, क्योंकि राज्य में भूपेंद्र सिंह हुड्डा जिस प्रकार से प्रचार में जुटे हुए हैं उसको देखकर स्पष्ट कहा जा सकता है कि पार्टी आला कमान पहले ही अपने मुख्यमंत्री पद का चुनाव कर चुकी है।

सूत्रों के मुताबिक, 90 सदस्यीय हरियाणा विधानसभा में लगभग 70 से अधिक टिकटें भूपेंद्र सिंह हुड्डा के समर्थकों को मिली हैं। पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवार भी राज्य में भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नाम पर ही वोट मांग रहे हैं। इस चुनाव को लेकर पूरे हरियाणा में पार्टी के प्रमुख चेहरे के तौर पर भूपेंद्र सिंह हुड्डा को ही पेश किया गया है। हर जगह उनकी फोटो वाले बैनर और प्रचार सामग्री भी लगी है। तो वहीं, कुमारी शैलजा की फोटो वाले बैनरों की संख्या नाममात्र की ही है। इसके साथ पार्टी की बड़ी-बड़ी रैलियां से भी ,सांसद कुमारी शैलजा ने खुद को पार्टी लाइन से दूर ही रखा है।

जिससे स्पष्ट तौर पर संकेत मिल रहे हैं कि उनके मुख्यमंत्री पद के लिए दावा बहुत कमजोर है। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने चुनाव से पहले सरकार गठन के लिए निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ भी जोड़ तोड़ करने की राजनीति पहले से ही शुरू कर दी है। जिससे अगर सरकार बनाने में उनका समर्थन मांगना पड़े तो वे विधायक कांग्रेस का समर्थन करने से भी पीछे ना हटें। तो वहीं, कुमारी शैलजा राजनीति के इस पहलू से कम ही वाकिफ नजर आती हैं।

कांग्रेस नेता कुमारी शैलजा ने इस दौरान कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने अपनी सीट पर कैंपेन करने के साथ-साथ अन्य जगहों पर भी प्रचार किया है और वह सभी सीटें कांग्रेस जीतने में सफल भी रही है और अब राज्य में बदलाव की लहर चल रही है। जिससे कांग्रेस पार्टी की सरकार बनना तय है। सांसद शैलजा ने बताया कि इस चुनाव में पार्टी के सभी नेता पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में डटे हुए हैं। पार्टी के आंतरिक मतभेदों पर उन्होंने कहा कि यह सब हमारे परिवार का आपसी मामला है जिसे हम आपस में बैठकर सुलझा रहे हैं। संवाददाता सम्मेलन के दौरान उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि मुख्यमंत्री पद का फैसला पार्टी हाई कमान ही करेगा।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव: एमवीए गठबंधन में शामिल होना चाहते हैं ओवैसी

-एआईएमआईएम ने भेजा प्रस्ताव, महा विकास अघाड़ी ने नहीं लिया फैसला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम पार्टी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के गठबंधन में शामिल होने कोशिश कर रही है। अगर एआईएमआईएम एमवीए में शामिल हो जाती है, तो यह उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के लिए बड़ा झटका होगा, क्योंकि उद्धव गुट एआईएमआईएम के शामिल होने का विरोध कर रहा है।

शिवसेना ने कहा है कि एमवीए में पहले से ही कांग्रेस, शरद पवार की एनसीपी, शिवसेना (यूबीटी), समाजवादी पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी, शेतकारी कामगार पक्ष और रिपब्लिकन संगठन जैसे कई दल शामिल हैं। ऐसे में नई पार्टी के लिए वर्तमान परिस्थितियों में कोई जगह नहीं है। एआईएमआईएम ने कांग्रेस और एनसीपी (एसपी) को गठबंधन बनाने का लिखित प्रस्ताव भेजा है, लेकिन अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया है।

सूत्रों का कहना है कि प्रस्ताव को न तो स्वीकार और न ही अस्वीकार किया गया है। यदि एआईएमआईएम को शामिल करने पर एमवीए में सहमति नहीं बनती, तो पार्टी को बड़ा झटका लग सकता है। संभावित गठबंधन को लेकर बातचीत के बीच, एआईएमआईएम ने एमवीए को 28 सीटों की सूची सौंपी है, जहां से वह चुनाव लड़ना चाहती है। ये सभी 28 सीटें मुस्लिम बहुल क्षेत्रों की हैं, या जहां मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका निभाते हैं। एआईएमआईएम ने कहा है कि यदि गठबंधन बनता है, तो वह सहयोगियों के लिए कुछ सीटें छोड़ने को भी तैयार है।

हिमाचल में टॉयलेट टैक्स... विरोधियों ने कहा इतनी गिर गई कांग्रेस

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में 'टॉयलेट सीट टैक्स' लगाने के विवादों के बीच मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने इस निराधार बताकर कहा कि टॉयलेट टैक्स जैसा कोई टैक्स नहीं है। इसका राजनीतिक लाभ नहीं उठना चाहिए। सीएम सुखू ने कहा, चुनाव से पहले भाजपा ने हिमाचल प्रदेश में 5 हजार करोड़ की रेवड़ियां बांटी थी, इसमें उन्होंने मुफ्त पानी के मीटर लगाने का वादा कर कहा था कि पानी का कोई बिल नहीं लिया जाएगा। हमारी सरकार ने प्रति परिवार से 100 रुपये का बिल लेने की बात कही। इसमें ओबेरॉय और ताज जैसे पांच सितारा होटल भी शामिल थे। इसमें वे भी थे जो कर देने की क्षमता रखते थे। टायलेट टैक्स जैसे कोई टैक्स नहीं है।

वहीं, हिमाचल के जल शक्ति विभाग ने शहरी क्षेत्रों में टॉयलेट के हिसाब से टैक्स लेने की खबरों का खंडन किया। उधर, सुक्खू सरकार के 'टॉयलेट सीट टैक्स' को लेकर सियासी घमासान लगातार देखने को मिल रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हिमाचल सरकार के फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए लिखा, अविश्वसनीय, अगर सच है। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वच्छता को जन आंदोलन बना रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस लोगों से शौचालय के लिए टैक्स वसूल रही है।

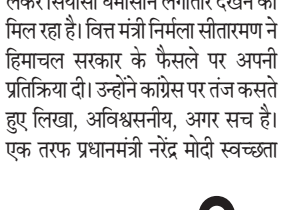

सूक्खू सरकार के टॉयलेट पर टैक्स लगाने के फैसले पर भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने हमला बोला। नकवी ने कहा कि महात्मा गांधी जयंती के मौके पर कांग्रेस सरकार हिमाचल के लोगों को इस तरह का उपहार दे रही है निश्चित तौर पर इससे ज्यादा असंवेदनशीलता नहीं हो सकती है। एक तरफ पीएम नरेंद्र मोदी हर घर में फ्री टॉयलेट मिले, चौक चौराहा और चौपालों में फ्री टॉयलेट की व्यवस्था हो, उसके लिए मजबूती के साथ अभियान चला रहे हैं, दूसरी तरफ कांग्रेस पार्टी अपने राज्य में टायलेट पर भी टैक्स लगा रही है, यह एक क्रिमिनल एक्ट है, इससे ज्यादा कुछ नहीं है।

रावण की सराहना कर कहा उसे न जलाएं, फिर की धर्म विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी

-डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद फिर आए चर्चाओं में

गाजियाबाद (एजेंसी)। डासना मंदिर के महंत यति नरसिंहानंद ने एक बार फिर अपने विवादित बोल से हंगामा खड़ा कर दिया है। उन्होंने रावण की जमकर तारीफ की और उसे न जलाने की अपील कर दी। इसके बाद बोले की मैं जो भी बोलने जा रहा हूं उसे चाहें तो रिकॉर्ड कर लें। इसके बाद महंत ने एक धर्म विशेष के खिलाफ बोलना शुरु कर दिए। वीडियो वायरल होने के बाद फिर हंगामा शुरु हो गया। रावण परिवार की तारीफ करते हुए उन्होंने बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। करीब एक सप्ताह पुराना वीडियो सामने आने के बाद जंगल में आग की तरह वायरल हो गया है। सोशल मीडिया पर हजारों लोगों ने यति को लेकर अपना गुस्सा जाहिर किया तो गाजियाबाद पुलिस से तुरंत गिरफ्तारी की मांग की है।दरअसल 29 सितंबर को गाजियाबाद के हिंदी भवन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। अमर बलिदानी मेजर आसाराम व्याग सेवा संस्थान की ओर से इसका आयोजन किया गया था। कार्यक्रम में यति नरसिंहानंद भी आए थे। यति ने जब माइक संभाला तो अपने अंदाज में बोलना शुरू किया। उन्होंने मेघनाद, कुंभकरण की तारीफ की तो रावण को लेकर कहा कि उसने छोटी गलती की। यति ने मेघनाद, कुंभकरण और रावण का पुतला ना जलाने की अपील की। इसके बाद वह एक धर्म विशेष पर आपत्तिजनक बातें करने लगे।यति ने कहा, हम हर साल जलाते हैं मेघनाद को, उसके जैसा चरित्रवान व्यक्ति इस धरती पर पैदा नहीं हुआ। हम हर साल जलाते हैं मेघनाद को उसके जैसा वैज्ञानिक योद्धा पैदा नहीं हुआ। उनकी गलती क्या थी, रावण ने एक छोटा सा अपराध किया और आज लाखों साल हो गए हम रावण को जला रहे हैं।रावण परिवार की तारीफ के बाद यति ने उन्हें ना जलाने की अपील की। इसके साथ ही वह धर्म विशेष पर विवादित बातें करने लगे। टिप्पणी से पहले यति ने यह भी सुनिश्चित करना चाहा कि जो वह बोलने जा रहे हैं उसकी रिकॉर्डिंग हो जाए। उन्होंने कहा- कोई रिकॉर्ड कर रहा है या नहीं, कर लेना। पहले भी अपने विवादित बयानों से बवाल करा चुके यति नरसिंहानंद का वीडियो वायरल होने के बाद गाजियाबाद पुलिस ने उनके खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि केस दर्ज करने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सिहानी गेट पुलिस थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

शहर के केंद्र में बैठकर सभी नवरात्रि आयोजनों पर पुलिस का लाइव मॉनिटरिंग निगरानी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

शहर के अठवा लाइन्स इलाके में पुलिस कमिश्नर का मुख्यालय है, जिसमें कमांड और कंट्रोल रूम है। सूरत पुलिस इस कमांड और कंट्रोल रूम से शहर के चारों दिशाओं में लगभग ३० किलोमीटर की सीमा में हो रहे गरबा आयोजनों पर CCTV कैमरों के माध्यम से नजर रख रही है।

सूरत के मध्य में पुलिस कमिश्नर कार्यालय है और इस कार्यालय के अंदर कमांड और कंट्रोल रूम है। यहां से पुलिस हमेशा ट्रैफिक और सुरक्षा व्यवस्था के लिए CCTV फुटेज की २४ घंटे निगरानी करती है। लेकिन इन दिनों नवरात्रि आयोजनों के चलते, सूरत पुलिस ने सभी बड़े नवरात्रि आयोजकों से उनके CCTV फुटेज के IP एड्रेस मंगवाकर इस कमांड और कंट्रोल रूम में लगातार नजर बनाए रखी है।

कमांड और कंट्रोल रूम में बैठकर सभी बड़े नवरात्रि आयोजनों पर लाइव मॉनिटरिंग की जा रही है। पुलिस ने आयोजकों से IP एड्रेस मंगवाकर एक्सेस प्राप्त किया है, जिससे वे खिलाड़ियों की गतिविधियों और आयोजन की व्यवस्था पर लगातार नजर रख रहे हैं। साथ ही, AI (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) की भी मदद ली जा रही है। पुलिस यह सुनिश्चित कर रही है कि आयोजन में कितने लोग इकट्ठे हुए हैं और व्यवस्थाएं कैसी हैं।

सूरत पुलिस के कमांड और कंट्रोल रूम में बड़ी स्क्रीन लगाई गई हैं। एक स्क्रीन पर चार से पांच जगहों के CCTV फुटेज देखे जा सकते हैं, और इन्हें देखने के लिए २४ घंटे पुलिसकर्मी तैनात हैं। अगर कोई संदिग्ध घटना होती है, तो कंट्रोल रूम से संबंधित पुलिस स्टेशन को तुरंत सूचित किया जाता है। नवरात्रि के नौ दिनों तक पुलिस ग्राउंड पर मौजूद रहेगी और साथ ही कमांड और कंट्रोल रूम से भी कड़ी निगरानी जारी रखेगी।

भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने वाली घटना

१६ साल के लड़के ने १३ साल की बहन से किया दुष्कर्म

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

युवक ने लड़की के साथ दो बार और बलात्कार किया, गर्भवती हो गई और चार दिन पहले लड़की को अस्पताल ले जाया गया पेट में दर्द के साथ मां ने डिंडोली थाने में बेटे के खिलाफ छेड़छाड़ की शिकायत दर्ज कराई तो पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है.

सूरत,भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने वाली इस घटना के संबंध में पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मजदूर वर्ग के १६ वर्षीय बेटे मयूर (बदला हुआ नाम) और १३ साल की बेटी खुशबू (बदला हुआ नाम) की मौत हो गई. मूल रूप से वलसाड का रहने वाला दंपति पिछले डेढ़ साल से सूरत के डिंडोली इलाके में मजदूरी करता है, जबकि खुशबू ८ में पढ़ती है। पिछले सोमवार की सुबह खुशबू को पेट में दर्द हो रहा था और दंपत्ति उसे उनापानी रोड स्थित एक निजी अस्पताल में ले गए, वहां डॉक्टर ने उसकी जांच की और बताया कि वह चार से पांच महीने की गर्भवती है और उसे इलाज के लिए न्यू सिविल अस्पताल ले गए दंपति उसे घर ले गए और जब पूछा कि वह गर्भवती कैसे हुई, तो खुशबू ने कोई जवाब नहीं दिया, अगले दिन उसे फिर से दर्द हुआ और दंपति उसे इलाज के लिए न्यू सिविल अस्पताल ले गए, वहां भी डॉक्टर ने उसे बताया कि वह चार साल की है पांच महीने की गर्भवती.

इसलिए जब उन्होंने उससे दोबारा पूछा कि वह गर्भवती कैसे हुई, तो खुशबू का जवाब सुनकर दंपत्ति हैरान रह गए। खुशबू ने कहा कि चार या पांच महीने पहले वे काम पर गए थे और जब वह और भाई मयूर घर पर अकेले थे, तो मयूर ने उसे बताया कि मम्मी घर पर हैं। घर - पापा नहीं हैं और हम दोनों भाई-बहन घर में अकेले हैं. इसलिए मैं तुम्हारे साथ सेक्स करना चाहती हूं. खुशबू हैरान हो गई और उसने अपने भाई की बात मानने से इनकार कर दिया और उसके बाद अपनी हवस पूरी की अगर उसने इस बारे में अपने माता-पिता को बताया तो उन्होंने उसे जान से मारने की धमकी दी। बाद में खुशबू दो बार और रेप करने के बाद गर्भवती हो गई, जिसके बाद खुशबू की मां ने डिंडोली पुलिस स्टेशन में अपने रिश्तेदार के बेटे के खिलाफ रेप की शिकायत दर्ज कराई और पुलिस ने हिरासत में ले लिया। मयूर को इलाज के लिए न्यू सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आगे की जांच पीआई एच.जे. सोलंकी कर रहे हैं।

सावधान इंडिया और क्राइम पेट्रोल देखने के बाद मयूर ने चचेरी बहन से किया बलात्कार

सूरत डिंडोली पुलिस ने १६ वर्षीय मयूर को पूछताछ के दौरान गिरफ्तार किया, जिसने बताया कि जब उसके माता-पिता काम पर जा रहे थे और भाई-बहन घर पर अकेले थे, तो वे सावधान इंडिया और क्राइम देख रहे थे। टीवी पर गश्त के दौरान उनके कुछ एपिसोड्स में ऐसी घटनाओं के चलते उन्होंने अपनी चचेरी बहन से सेक्स की मांग कर उसके साथ बलात्कार किया।

सूरत में मां अंबा माताजी के मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत समेत दुनिया भर में से धूमधाम से नवरात्रि शुरूहो गई है.सूरत के मां अंबा के मंदिर में भक्तों का तांता लगा हुआ है. माताजी के इस मंदिर में बड़ी संख्या में बुजुर्गों के साथ-साथ युवा भी पूजा करते नजर आते हैं। माताजी के मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी जिसके चलते दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था करनी पड़ी. लगातार नौ दिनों तक माता जी की आराधना का पर्व है नवरात्रि, हर साल की तरह इस साल भी सूरत शहर में सूरतवासी नवरात्रि मनाने के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं.

सूरत शहर के कोट इलाके में अंबाजी रोड पर ४०० साल पुराने मां अंबा मंदिर के अलावा अंबिकानी केतन स्थित माताजी के मंदिर सहित कई माताजी के मंदिरों में आज सुबह-सुबह माताजी के भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी. इन श्रद्धालुओं में इस बार युवाओं के साथ-साथ बुजुर्गों की संख्या भी अच्छी खासी थी।

पुलिस ने २.७० लाख की विदेशी शराब पकड़ी

११.२० लाख का सामान जब्त

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

उमरपाड़ा पुलिस ने पूर्व सूचना के आधार पर वाडी गांव से २ लाख ७० हजार की कीमत की विदेशी शराब की खेप जब्त की और कानूनी कार्रवाई शुरू की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक सफेद क्रेटा फोरव्हील नंबर रू।-०३-ष्टरू-४४३१ में किरीट संजयभाई वसावा विदेशी शराब की खेप लाकर उमरपाड़ा के वाडी गांव के तालाब के पास छिपा रहा था। उमरपाड़ा पुलिस को इसकी गुप्त सूचना मिलने पर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वहां छापा मारा। पुलिस को देखते ही मौके पर मौजूद लोग फरार हो गए।

पुलिस ने घटनास्थल से २ लाख ७० हजार की कीमत की १२३६ विदेशी शराब की बोतलें, ८ लाख की कीमत की क्रेटा कार, और ५० हजार की कीमत की एक मोपेड जब्त की। कुल मिलाकर, पुलिस ने ११ लाख २० हजार का सामान जब्त किया है। पुलिस ने प्रोहिबिशन एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है और (१) क्रेटा कार का चालक किरीट संजयभाई वसावा, निवासी पथरिया गांव, तालुका वालिया

उमरपाड़ा पुलिस ने वाडी गांव से विदेशी शराब सहित कुल ११.२० लाख का सामान जब्त कर पांच को वांटेड घोषित किया।

(२) केशो उर्फ कृष्णकांत सामसिंगभाई वसावा, निवासी चितलदा गांव, तालुका उमरपाड़ा (३) रोनक सामसिंगभाई वसावा, निवासी वांडी गांव, तालुका उमरपाड़ा (४) अज्ञात मोपेड चालक (५) और विदेशी शराब की खेप भेजने वाले अज्ञात व्यक्ति को वांटेड घोषित किया है। पुलिस ने इनकी गिरफ्तारी के लिए कार्रवाई तेज कर दी है।

फ्लिपकार्ट जैसी १९ फेक वेबसाइट से देशभर के लोगों को ठगा ५० करोड़ की ठगी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

ई-कॉमर्स वेबसाइट फ्लिपकार्ट जैसी फर्जी वेबसाइट बनाकर ७०त्न से ९०त्न तक छूट की घोषणा फेसबुक पर डालकर पैसे लेने के बाद सामान की डिलीवरी न करने वाले गिरोह के ६ सदस्यों को सूरत की सरथाणा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इसमें सागर खुट, संजय कातरिया, दिलीप पाघडाल, आशीष हडिया, पार्थ सवानी और यश सवानी शामिल हैं, जबकि पीयूष खुट और हिम्मत वाघेला फरार हैं। गिरोह के सदस्य पिछले एक साल से इस फर्जीवाड़े को चला रहे थे।

फेक वेबसाइट बनाने का काम

पार्किंग में खड़ी आशीष के पिता की कार से विभिन्न सामग्री जब्त करने के बाद पुलिस ने मेरिटोन प्लाजा में तीसरे मंजिल पर किराए पर लिए गए ऑफिस में छापा मारा, जहां पार्थ सवानी और यश सवानी फेक वेबसाइट बनाने का काम करते हुए पकड़े गए।

१२वीं पास आरोपियों ने MCA-B.Tech युवकों को नौकरी पर रखा

१२वीं पास तीन से चार आरोपियों ने B.Tech और MCA पास युवकों को नौकरी पर रखकर फर्जी वेबसाइटें बनाई थीं। इन वेबसाइटों पर लोग पेमेंट करते थे, लेकिन उन्हें सामान नहीं मिलता था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गैंग ५० करोड़ रुपये से अधिक की ठगी कर चुकी है।

१२वीं पास ४ लोगों ने B.Tech और MCA पास युवकों को नौकरी पर रखा, पेमेंट लेने के बाद सामान नहीं भेजा,

कैसे किया ठगी का काम

पुलिस को महिला पीआई एम.बी. झाला को गुप्त सूचना मिली थी कि आशीष हडिया, सागर खुट और उनके भाई पीयूष खुट मिलकर सावल्या सर्कल के पास पवित्रा प्वाइंट की दुकान में फ्लिपकार्ट जैसी फेक वेबसाइट बनाकर अन्य राज्यों में सस्ते दामों पर उत्पाद बेचते थे और ऑनलाइन पेमेंट लेने के बाद प्रोडक्ट की डिलीवरी नहीं करते थे।

आईटी पार्क स्थित तीन अलग-अलग ऑफिसों में छापा

पुलिस ने सरथाणा सावल्या सर्कल के पास पवित्रा प्वाइंट, मेरिटोन प्लाजा और मोटा वराछा पनवेल प्वाइंट के पास आईटी पार्क स्थित तीन अलग-अलग ऑफिस और पार्किंग में खड़ी कार पर छापा मारा। इसमें पुलिस ने आरोपियों से कुल ८.३६ लाख रुपये की सामग्री जब्त की।

वलसाड हाइवे और रेस्टोरेंट के पार्किंग में जानलेवा स्टंट करने वाले ८ बाइकर्स और इवेंट आयोजक की गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वलसाड नेशनल हाइवे पर स्थित रोला गांव के एक होटल के पार्किंग में बाइकर्स द्वारा बाइक स्टंट इवेंट का आयोजन सितंबर महीने में किया गया था। इस इवेंट के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए थे। वलसाड की डुंगरी पुलिस टीम को सोशल मीडिया के माध्यम से इस घटना की जानकारी मिली। डुंगरी पुलिस ने FIR दर्ज कर CCTV फुटेज और वायरल वीडियो के आधार पर प्रारंभिक जांच शुरूकी। पुलिस ने इवेंट आयोजक और बाइक स्टंट करने वाले ८ बाइकर्स सहित ९ व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इवेंट आयोजक और ८ बाइकर्स की गिरफ्तारी कर पुलिस ने आगे की जांच शुरूकर दी है।

वलसाड के पास रोला हाइवे स्थित ''टेस्टी टच'' रेस्टोरेंट के पार्किंग में और उसके बाद हाइवे पर कुछ बाइकर्स ने खतरनाक स्टंट किए थे, जिनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया गया था। इस मामले में डुंगरी पुलिस ने गहन जांच की। जांच में सामने आया कि ''इंडिया बाइक विद चाय एंड पकौड़ा राइड'' के संचालक द्वारा इस इवेंट का आयोजन किया गया था। इवेंट आयोजक शिवम पवार ने वलसाड जिला पुलिस से कोई अनुमति लिए बिना यह इवेंट आयोजित किया था। डुंगरी पुलिस टीम ने वायरल वीडियो के आधार पर ८ बाइकर्स और इवेंट आयोजक के खिलाफ FIR दर्ज कर आगे की जांच शुरूकी है।

डुंगरी पुलिस टीम ने होटल के CCTV फुटेज के आधार पर इवेंट आयोजक और सार्वजनिक रूप से बाइक स्टंट करने वाले ८ बाइकर्स की गिरफ्तारी की है और मामले की जांच जारी है।